दैनिक **सांध्य प्रकाश**

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 234/ पृष्ठ 8 / मूल्य₹ 2। 10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ▪आर. एन. आई. 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, रविवार 30 मार्च 2025 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

ब्लॉग

विक्रम सम्वत् : प्रकृति के संरक्षण संवर्धन और विकास का उत्सव

डॉ. मोहन यादव
(इस ब्लॉग के लेखक डॉ. मोहन यादव मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

भारतीय नववर्ष की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं...

आज से विक्रम सम्वत् 2082 आरंभ हुआ है। यह प्रदेशवासियों के लिये गर्व और गौरव का विषय है कि भारतीय नववर्ष विक्रम सम्वत् के उज्जयिनी से शुरू हुआ। यह सम्राट विक्रमादित्य के राज्याभिषेक की तिथि है। सम्राट विक्रमादित्य ने विदेशी आक्रांताओं को पराजित कर विक्रम सम्वत् का प्रवर्तन किया था। न्यायप्रियता, ज्ञानशीलता, धैर्य, पराक्रम, पुरुषार्थ, वीरता और गंभीरता जैसी विशेषताओं के लिए सम्राट विक्रमादित्य को समूचे विश्व में स्मरण किया जाता है। उन्होंने सुशासन के सभी सूत्रों को स्थापित करते हुए अपने सुयोग्य 32 मंत्रियों का चयन किया, इसीलिए उनके सिंहासन को 'सिंहासन बत्तीसी' कहा जाता है।

भारतीय नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का दिन ऋतु परिवर्तन के अनुरूप स्वयं को सक्षम बनाने का समय है। इसे कहीं गुड़ी पड़वा तो कहीं चैती चांद, कहीं युगादि तो कहीं उगादि और कहीं नवरोज अगदु के रूप में मनाया जाता है। विविध स्वरूपों में मनाया जाने वाला नववर्ष का यह पर्व 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना को स्थापित करता है। इसके साथ नवरात्र का आरंभ होता है। यह नौ दिन आरोग्य, साधना और कायाकल्प के लिए होते हैं।

नव सम्वत्सर की तिथि सृष्टि निर्माण की तिथि है। इसका निर्धारण संपूर्ण वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ हुआ है। इसे मनाने की परंपरा व्यक्ति, परिवार और समाज, तीनों के स्वस्थ जीवन और समृद्धि को ध्यान में रखकर शुरू की गई। यह हमारे पूर्वजों के शोध की विशेषता है कि हजारों वर्ष पहले पूर्वजों को ग्रहों की गति और नक्षत्रों की स्थिति का पूर्ण ज्ञान था और इस गणना को ही वैदिक घड़ी कहा गया है। बाबा महाकाल की नगरी विश्व में कालगणना का केंद्र रही है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उज्जैन की वेधशाला में स्थित विश्व की पहली विक्रमादित्य वैदिक घड़ी की पुनर्स्थापना की है।

मुझे यह बताते हुए खुशी है कि भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न पहलुओं के प्रकटीकरण के लिए हम विक्रमोत्सव का आयोजन कर रहे हैं। विक्रमोत्सव हमारी गौरवशाली विरासत और वर्तमान के विकास का उत्सव है। यह उत्सव 26 फरवरी से प्रारंभ होकर 30 जून तक चलेगा। इस 125 दिन तक चलने वाले उत्सव में विविध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कार्यक्रमों के साथ सम्राट विक्रमादित्य के समूचे व्यक्तित्व, कृतित्व और विशेषताओं को परिचित कराने का प्रयास किया जा रहा है। आगामी 12-13 और 14 अप्रैल 2025 को नई दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रित एक भव्य आयोजन होने जा रहा है। श्रीकृष्ण की दीक्षा नगरी उज्जयिनी का संबंध भारत की हर विशेषता से है। उज्जैन धरती के केन्द्र में स्थित है। यहां भगवान श्रीकृष्ण ने सांदीपनि आश्रम में शिक्षा प्राप्त की थी। मध्यप्रदेश सरकार ने संकल्प लिया है कि सांदीपनि आश्रम से श्रीकृष्ण पाथेय के निर्माण का आरंभ होगा।

मध्यप्रदेश का 2025-26 का बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को केन्द्र में रखकर प्रस्तुत किया गया है। इसमें विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण की अवधारणा अनुसार बजट को बहुआयामी स्वरूप दिया गया है। इस बजट में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के साथ विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि का भी प्रावधान है। वर्ष भर के संकल्पों की पूर्ति के लिए हमने बजट में 15 प्रतिशत की वृद्धि की है। हमारा यह बजट मध्यप्रदेश की समृद्धि और आत्मनिर्भरता के लिए बनाये रोडमैप के संकल्प की पूर्ति के लिए है। इसमें आर्थिक सुधार, सामाजिक न्याय, सतत् विकास के साथ प्रधानमंत्री जी का मंत्र, ज्ञान पर ध्यान शामिल है। ज्ञान के चारों स्तंभों को सशक्त करने के लिए बजट में विशेष प्रावधान हैं। इसमें गरीब कल्याण में अंत्योदय की अवधारणा को साकार किया जायेगा। युवा शक्ति में कौशल विकास, प्रशिक्षण तथा रोज़गार के अवसर प्रदान किये जायेंगे। अन्नदाता में किसानों की आय में वृद्धि करने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जायेगा। नारी शक्ति में महिलाओं को समग्र रूप से सशक्त बनाने के लिए आयोजना बनाई गई है।

हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमें विरासत से विकास का सूत्र दिया है। उनके नेतृत्व में समाज, प्रदेश और देश को सशक्त बनाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार अपनी तरह से कार्य कर रही है। मुझे बताते हुए खुशी है कि प्रधानमंत्री जी के 'विरासत के साथ विकास' मंत्र को प्रदेश में धरातल पर उतारने का प्रयास किया जा रहा है। मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और पुरातात्विक स्थलों के विकास के लिए बजट में अलग से प्रावधान किया है। ऐतिहासिक विरासत को सहेजने के इस अभियान में ओंकारेश्वर, उज्जैन, मैहर आदि धार्मिक स्थलों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जायेगा। वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ पर्व के आयोजन की भव्यता और दिव्यता के लिए दो हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। श्रीराम वन गमन पथ और श्रीकृष्ण पाथेय के लिए अलग से बजट है। हम इन स्थानों पर अधोसंरचना विकास के साथ पर्यटन को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी कार्य करेंगे। इससे स्थानीय लोगों को रोज़गार मिलेगा और मध्यप्रदेश की विरासत संसार के सामने आएगी।

प्रधानमंत्री के लोकल फॉर वोकल के संकल्प को आकार देने के लिए रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और ग्लोबल इंडस्ट्री समिट में प्राप्त प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जायेगा। इससे मध्यप्रदेश के हर क्षेत्र की विशेषता, क्षमता और दक्षता विश्व स्तर तक पहुंचेगी। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूर्ण करने के लिए हम प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2047 तक 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

गुड़ी पड़वा के अवसर पर हमारी परंपरा में सूर्योदय के पहले बहते हुए स्वच्छ जल में स्नान करने का विधान है। ऊषाकाल में सूर्य को प्रणाम किया जाता है। यह जलस्रोत के प्रवाह स्थल को सुरक्षित रखने का संकल्प है। प्रकृति के इस संदेश को स्वरूप प्रदान करते हुए हम प्राकृतिक स्रोतों की सुरक्षा के लिए आज से जल गंगा अभियान शुरू कर रहे हैं। इसकी शुरुआत उज्जैन के क्षिप्रा तट से होने जा रही है। इसमें जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए वर्षा जल संचयन, जलस्रोतों का पुनर्जीवन और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दिया गया है। इसके अंतर्गत 1 लाख जलदूत तैयार किये जायेंगे। लघु एवं सीमांत किसानों के लिए 50 हजार नए खेत-तालाब बनाए जाएंगे। प्रदेश की 50 से अधिक नदियों के वॉटरशेड क्षेत्र में जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य होंगे।

ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व के तालाबों, जलस्रोतों एवं देवालयों में कार्य किए जाएंगे। यह अभियान आज से प्रारंभ होकर 30 जून तक चलेगा। मुझे विश्वास है कि यह अभियान प्रदेश में जल संकट को खत्म करने और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

भारतीय नववर्ष प्रकृति के संरक्षण, संवर्धन और निर्माण की प्रेरणा देता है। इसमें सृष्टि, संस्कृति और समाज का संगम है। ऋतुकाल संधि के इन दिनों में नवचेतना, नवजागृति का संदेश है। मैं प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता के साथ प्रकृति के नवसृजन और विकसित मध्यप्रदेश निर्माण का संकल्प लेता हूं। मुझे उम्मीद है कि इस वर्ष आरंभ होने वाले विशेष प्रयास आप सभी के जीवन में समृद्धि, खुशहाली और आनंद लेकर आएंगे।

यह वर्ष आप सभी के लिए मंगलमय हो, शुभ हो। एक बार पुनः भारतीय नववर्ष की शुभकामनाएं।

नागपुर में पीएम मोदी ने आरएसएस के 100 साल पूरे होने कहा

जहां सेवा वहां संघ के स्वयंसेवक

आरएसएस भारत की अमर संस्कृति का अक्षय वट

नागपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागपुर में माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर की आधारशिला रखी। इस दौरान उन्होंने कहा कि जहां सेवा है वहां स्वयंसेवक हैं। सेवा संस्कार और साधना स्वयंसेवकों को प्रेरित करती हैं। पीएम मोदी ने कहा, गुलामी के कालखंड में संघ संस्थापकों ने नए विचार दिए। आरएसएस भारत की अमर संस्कृति का अक्षय वट है, ये अक्षय वट भारतीय चेतना को उर्जावान बना रहा है। उन्होंने कहा कि आरएसएस के गौरव शाली यात्रा के 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं। आज मैंने हेडगवार साहब और गुरुजी को नमन किया। पीएम मोदी ने कहा कि अगले साल बाबा साहब की जयंती भी है उनको भी नमन किया। नागपुर में हम सेवा के तीर्थ के रूप में माधव नेत्रालय की स्थापना हो रही है। माधव नेत्रालय एक ऐसा संस्थान है जो अनेक दशकों से लाखों लोगों की सेवा कर रहा है। आज नए परिसर का शिलान्यास हो रहा है, अब सेवा कार्य को और गति मिलेगी। मैं सेवा कार्य के लिए माधव नेत्रालय से जुड़े सभी लोगों की सराहना करता हूं और शुभकामनाएं देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि लाल किले से मैंने सबके प्रयास की बात कही थी, आज स्वस्थ के क्षेत्र में माधव नेत्रालय उस प्रयास को बढ़ा रहा है। मोदी ने कहा, गरीब और बुजुर्गों को इलाज की चिंता सताती न रहे। आयुष्मान भारत के चलते करोड़ो लोगों को मुफ्त सुविधा दे रही है।

पीएम मोदी ने फिट इंडिया, कैलेंडर से लेकर कई मुद्दों पर की चर्चा

मन की बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 120वें एपिसोड में देशवासियों को चैत्र नवरात्र, गुड़ी पाड़वा और हिंदू नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने फिटनेस, युवाओं के लिए माई भारत कैलेंडर और स्वदेशी खेलों की लोकप्रियता समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह दिन नए संकल्पों और ऊर्जा से भरा हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि बारिश की बूंदों को संरक्षित करके हम पानी की बर्बादी को रोक सकते हैं। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ सालों में जल संरक्षण के लिए देश के कई हिस्सों में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं।

फिट इंडिया कार्निवल – पीएम मोदी ने दिल्ली में आयोजित फिट इंडिया कार्निवलका जिक्र किया। इस कार्निवल में 25,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया था। उन्होंने कहा कि यह आयोजन लोगों को फिटनेस के प्रति जागरूक करने और प्रेरित करने के लिए किया गया था।

नवरात्रि और सभी पर्वों की बधाई दी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं देशवासियों को नवरात्रि और सभी पर्वों की बधाई देता हूं। मोदी ने कहा, राष्ट्र यज्ञ के इस पावन अनुष्ठान में आने का मुझे सौभाग्य मिला। आज चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का यह दिन बहुत विशेष है। आज से नवरात्रि का पवित्र पर्व शुरू हो रहा है। देश के अलग-अलग कोनों में गुड़ी पड़वा और उगादि का त्योहार मनाया जा रहा है। आज भगवान झूलेलाल और गुरु अंगद देव का अवतरण दिवस भी है। यह हमारे प्रेरणा पुंज, डॉक्टर साहब की जयंती का भी अवसर है। इसी साल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गौरवशाली यात्रा के 100 वर्ष भी पूरे हो रहे हैं।

गृह मंत्री शाह ने योजनाओं का किया शिलान्यास उद्घाटन लालू परिवार पर बरसे

पटना। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पटना के बापू सभागार से 4 विभागों की 823 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। साथ ही वह लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि लालू और राबड़ी का जब जब शासनकाल आया तब तब बिहार में विनाश

हुआ। पटना के बाद अमित शाह गोपालगंज के कार्यक्रमों में शामिल होने गए। शाह ने लालू प्रसाद यादव पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि लालू अगर बिहार के लोगों के लिए कुछ किया तो हिसाब किताब लेकर आइए और बताइए। उन्होंने विभिन्न योजनाओं का नाम गिनाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के लिए बहुत कुछ किया । उन्होंने सहकारिता को मजबूत करने का काम किया। सहकारिता का सबसे ज्यादा फायदा बिहार को होगा। लालू प्रसाद के समय सहकारिता चौपट हो गई है। इसको बर्बाद करने का श्रेय लालू एंड लालू कंपनी ने किया। बंद पड़ी चीनी मिल को चालू करने के लिए पूरी ऊर्जा लगा देंगे। जातीय नरसंहार, चारा घोटाला कर देश दुनिया में बदनाम किया। लालू और राबड़ी सरकार को जंगलराज के नाम से जाना जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा और सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार के साथ-साथ अन्य लोग उपस्थित थे।

भक्ति और आस्था के साथ निकली भगवान झूलेलाल की शोभायात्रा

भोपाल। चैतीचांद महोत्सव के पावन अवसर पर विजयनगर उत्थान सिंधी पंचायत, लालघाटी द्वारा भगवान झूलेलाल जी के अवतरण दिवस पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। यह

शोभायात्रा श्री गंगा हरि सेवा धाम दरबार, विजय नगर लालघाटी से प्रारंभ होकर विजय नगर, वल्लभनगर, ओम नगर एवं सावन नगर के मुख्य मार्गों से गुजरी। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोभायात्रा में श्रद्धालु भक्ति-भाव में लीन होकर भगवान झूलेलाल जी के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। महिलाओं, पुरुषों एवं बच्चों ने पारंपरिक परिधानों में शोभायात्रा की शोभा बढ़ाई। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भगवान झूलेलाल जी का स्वागत किया।

पूजा-अर्चना और प्रसाद वितरण- इस पावन अवसर पर विधि-विधान से भगवान झूलेलाल जी की पूजा-अर्चना एवं आरती की गई। पूजा के उपरांत श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया गया। इस आयोजन में विजय नगर सिंधी उत्थान पंचायत के संरक्षक रमेश भंभानी, मुख्य सलाहकार हीरानंद गनवानी, अध्यक्ष कैलाश शर्मा, वासुदेव जेठानी, इंद्रदास मेघानी एवं आनंद सबधानी सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने उज्जैन में की घोषणा

सम्राट विक्रमादित्य के नाम पर होगा विक्रम विश्वविद्यालय

राज्यपाल बोले- बच्चे नौकरी मिलने के बाद माता-पिता को भूल जाते

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय के 29वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने विद्यार्थियों को उपाधि और स्वर्ण पदक प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और पद्मभूषण कमलेश डी. पटेल को मानद डी.लिट. की उपाधि से सम्मानित किया गया।

अकादमिक शोभायात्रा से समारोह की शुरुआत

समारोह की शुरुआत अकादमिक शोभायात्रा से हुई, जिसमें राज्यपाल, मुख्यमंत्री और अन्य गणमान्य अतिथि शामिल हुए। अतिथियों ने वाग्देवी के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित किया और सम्राट विक्रमादित्य की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद कार्यपरिषद सदस्यों और संकाय अध्यक्षों के साथ समूह चित्र लिया गया।

दीक्षांत समारोह का उद्देश्य सिर्फ शिक्षा पूरी करना नहीं- मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन, जिसे अवंतिका के नाम से भी जाना जाता है, सात पवित्र नगरियों में से एक है और इसका अस्तित्व हर युग में रहा है। उन्होंने उज्जैन के गौरव दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह का उद्देश्य सिर्फ शिक्षा पूरी करना नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए अपने ज्ञान का उपयोग करना है।

उन्होंने गोल्ड मेडलिस्ट विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि उनके ऊपर अब और अधिक जिम्मेदारी है। उनसे अपेक्षा है कि वे अपनी शिक्षा के बल पर विश्वविद्यालय, प्रदेश और देश का नाम विश्वभर में रोशन करें।

अच्छी नौकरी मिलने के बाद माता-पिता को भूल जाते- दीक्षांत समारोह में राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए माता-पिता के प्रति कृतज्ञ रहने की सीख दी। उन्होंने कहा, ÷आज के दौर में माता-पिता छोटे बच्चों को उंगली पकड़कर स्कूल छोड़ने जाते हैं, लेकिन वही बच्चे बड़े होकर अच्छी नौकरी मिलने के बाद माता-पिता को भूल जाते हैं। यह गलत है। राज्यपाल ने कहा कि माता-पिता ने कठिनाइयों को सहकर बच्चों को बड़ा किया है, इसलिए उनका सम्मान और सेवा करना हर संतान का कर्तव्य है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि जो माता-पिता की सेवा करेगा, वही समाज और राष्ट्र की भी सेवा करेगा। राज्यपाल ने यह भी कहा कि जीवन में सही मार्ग का चुनाव करना महत्वपूर्ण है। धार्मिकता और सेवा की भावना के साथ आगे बढ़ें, क्योंकि यदि हमारा जीवन अच्छा नहीं होगा, तो हम देश को भी कुछ नहीं दे पाएंगे।

सीएम ने दत्त अखाड़ा में पूजन कर नौका विहार किया

हिंदू नव वर्ष विक्रम संवत्सर 2082 और चैत्र नवरात्रि आज रविवार से शुरू हो गए हैं। उज्जैन में मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने दत्त अखाड़ा में पूजन अर्चन के

बाद मां शिप्रा की गोद में नौका विहार कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सीएम ने देव दर्शन करने के बाद साधु संतों और श्रद्धालुओं से मुलाकात की। वहीं बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे सूर्य को अर्घ्य देने के लिए शिप्रा नदी के रामघाट पहुंचे। यहां गुड़ी बांधकर पूजन अर्चन किया गया। सभी ने उगते सूर्य को अर्घ्य दिया।

भोपाल में बोहरा समुदाय ने मनाई ईद-उल-फित्र पर्व: सुबह 6 बजे नमाज अदा की

भोपाल। रमजान माह की इबादतों के समापन के बाद रविवार सुबह बोहरा समाज ने हर्षोल्लास के साथ ईद-उल-फित्र का पर्व मनाया। शहर की प्रमुख मस्जिदों में सुबह 6 बजे ईद की नमाज अदा की

गई, जिसमें समाज के हजारों लोग शामिल हुए। ईद की नमाज के बाद समाज के लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और पारंपरिक पकवान शीर खुरमा का आनंद लिया। परंपरा के अनुसार, बच्चों को ईदी भी दी गई। भोपाल जिले में करीब 7 हजार बोहरा समाज के लोग निवास करते हैं। उन्होंने हैदरी मस्जिद अलीगंज, बद्री मस्जिद, सेफिया कॉलेज, अहमदी मस्जिद भोपाल टॉकीज, हुसैनी मस्जिद पीरगेट, बुरहारी मस्जिद करौंद और नूर महल मरकज में नमाज अदा की।

खुफिया एजेंसी एफएसबी के पास राष्ट्रपति पुतिन के काफिले की कार में ब्लास्ट

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के काफिले की कार में ब्लास्ट हुआ है। यह धमाका खुफिया एजेंसी एफएसबीके मुख्यालय के बाहर हुआ। यह एक लग्जरी लिमोजिन कार थी। दरअसल कार के इंजन में आग लग गई थी और फिर अंदर फैल गई। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि यह हत्या की साजिश थी या सिर्फ एक हादसा। कार में धमाके का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

कार में आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि मॉस्को के एफएसबी खुफिया विभाग के मुख्यालय के उत्तर में व्लादिमीर पुतिन के काफिले में शामिल लिमोजिन कार में विस्फोट हो गया।

नव संवत्सर, गुड़ी पड़वा

नव संवत्सर, विक्रम संवत-2082 की आप सभी को हार्दिक बधाई एवं ढेरों शुभकामनाएं! यह नव वर्ष आपके जीवन में सुख, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करे, आपके सभी संकल्प सिद्ध हों, प्रभु श्री राम से यही प्रार्थना है। चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को गुड़ी पड़वा या वर्ष प्रतिपदा या उगादि (युगादि) कहा जाता है। इस दिन हिन्दु नववर्ष का आरम्भ होता है। 'गुड़ी' का अर्थ 'विजय पताका' होता है। कहा जाता है कि इसी दिन ब्रह्माजी ने सृष्टि का निर्माण किया था। इसमें मुख्यतया ब्रह्माजी और उनके द्वारा निर्मित सृष्टि के प्रमुख देवी-देवताओं, यक्ष-राक्षस, गंधवारें, ऋषि-मुनियों, नदियों, पर्वतों, पशु-पक्षियों और कीट-पतंगों का ही नहीं, रोगों और उनके उपचारों तक का भी पूजन किया जाता है। इसी दिन से नया संवत्सर शुरू होता है। अत: इस तिथि को 'नवसंवत्सर' भी कहते हैं। चैत्र ही एक ऐसा महीना है, जिसमें वृक्ष तथा लताएं पल्लवित व पुष्पित होती हैं। शुक्ल प्रतिपदा का दिन चन्द्रमा की कला का प्रथम दिवस माना जाता है। जीवन का मुख्य आधार वनस्पतियों को सोमरस चन्द्रमा ही प्रदान करता है। इसे औषधियों और वनस्पतियों का राजा कहा गया है। इसीलिए इस दिन को वर्षारम्भ माना जाता है। %प्रतिपदा' के दिन ही पंचांग तैयार होता है। महान गणितज्ञ भास्कराचार्य ने इसी दिन से सूर्योदय से सूर्यास्त तक दिन, महीने और वर्ष की गणना करते हुए 'पंचांग' की रचना की।

कर्मश्री कवि सम्मलेन में प्रसिद्ध कवियों ने किया कविता पाठ, थिरके हजारों श्रोता

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

गुडी पड़वा का नया साल बहुत अच्छा है, मुस्करा के कहो कि हाल बहुत अच्छा है, कोई जब शहरों के बारे में पूछता मुझसे, तो मैं कहता हूँ कि भोपाल बहुत अच्छा है। भोपाल की शान में यह कविता देश के नामचीन कवि दिल्ली से आए पद्मश्री डॉ. सुनील जोगी ने शनिवार रात राजधानी के अटल पथ प्लेटिनम प्लाजा पर आयोजित कर्मश्री के अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में अपना शानदार कविता पाठ करते हुए प्रस्तुत की। कवि सम्मेलन का शुभारम्भ मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, प्रदेश महामंत्री हितानन्द शर्मा, आयोजक संस्था कर्मश्री के अध्यक्ष, हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा द्वारा द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। हिंदू नववर्ष, गुड़ी पड़वा, चैती चांद के पावन पर्व पर कर्मश्री द्वारा अखिल भारतीय कवि सम्मेलन कराने का यह परंपरागत 25 वाँ वर्ष है। कवि सम्मेलन में 30 हजार से अधिक श्रोताओं ने रात 9 बजे से 3 बजे तक मंत्र मुग्ध होकर कवियों की प्रस्तुति का आनंद लिया। कवि सम्मेलन में आए कवियों ने एक से बढ़कर एक कविताओं का पाठ किया। लखनऊ से आई प्रख्यात कवि कविता तिवारी ने अपनी कविता पाप के पुंज जिनको घेरे हैं, उनके जीवन में बस अँधेरे हैं, राम का नाम जप अरे मूरख, राम मेरे हैं राम तेरे हैं का पाठ कर पूरे माहौल को राममय कर दिया। इसी प्रकार पद्मश्री सुरेंद्र दुबे ने अपनी प्रस्तुति जहां तेरा वजूद किस्तों में बिकता है, बावला है कविता लिखता है, गरीबी के लिए बिक, महंगाई के लिए बिक, बेकारी के लिए बिक,अगर बच जाय जिंदा,तो कविता लिख सुनाकर खूब तालियां बंटोरी। हास्य रस के कवि सुदीप भोला ने अपनी रचना पापा ने हैप्पी बद्दे पर मोबाइल दिलवाया था, ऑनलाइन हो गई पढ़ाई ,किश्तों पर मंगवाया था, पढ़ो बेटियों बढ़ो बेटियों उनने मन में ठाना था, दुनियां कर लेगी मुट्ठी में दुनिया को दिखलाना था,उसी मोबाइल से वो लड़की इंस्टाग्राम चलाती है, पढ़ती नहीं पढ़ाती है दिन भर रील बनाती है सुनकर वर्तमान परिस्थिति पर व्यंग्य किया। वाराणसी से आए डॉ.अनिल चौबे ने दो भाइयों के क्लेश में माई निकल गयी, रिश्ते की सारी दूध मलाई निकल गई,सप्ताह भर के इश्क़ के चक्कर में दोस्तों, अपनी महीने भर की कमाई निकल गयी सुनकर श्रोताओं ने खूब ठहाके लगाए। बाराबंकी से आए ख्यातनामा कवि विकास बौखल ने अपनी रचना किसी खंजर से ना तलवार से जोड़ा जाए, सारी दुनिया को चलो प्यार से जोड़ा जाए,ये किसी शख्स को दोबारा ना मिलने पाए, प्यार के रोग को आधार से जोड़ा जाए से श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। उत्तराखंड से आई कवि गौरी मिश्रा की प्रस्तुति गुड़ी पड़वां ने बिखराई नए इस साल की खुशबू, ज्यों आती है प्रसादी के किसी इक थाल की खुशबू, मैं झीलों के शहर आई हूं झीलों की नगरिया से, मिले भोपाल की खुशबू में नैनीताल की खुशबू से श्रोताओं को उत्साहित कर दिया। कवि सम्मलेन में शशिकांत यादव शशि, देवास, अमन अक्षर फिल्मी गीतकार इंदौर, श्वेता सिंह गीज गज) बड़ौदरा और मुकेश मासूम (हास्य पैराडी) खातेगांव आदि कवियों ने भी अपनी प्रस्तुति दी। कवि सम्मेलन का मंच संचालन शशिकांत यादव शशि देवास द्वारा किया गया।

हिंदू नववर्ष की पूर्व संध्या पर नरेला विधानसभा में की भव्य आतिशबाजी

भोपाल। नरेला विधानसभा क्षेत्र में हिंदू नववर्ष की पूर्व संध्या पर भव्य आतिशबाजी और विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने सभी नागरिकों को हिंदू नववर्ष, चैत्र नवरात्रि एवं गुड़ी पड़वा की शुभकामनाएं दीं। मंत्री श्री सारंग ने अपने संबोधन में कहा, हिंदू नववर्ष हमारे लिए नई ऊर्जा और नई प्रेरणा लेकर आता है। यह पर्व हमें अपने सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने का अवसर प्रदान करता है। मैं सभी नागरिकों के सुख, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना करता हूं। कार्यक्रम में भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, नरेला विधानसभा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य आयोजन नरेला विधानसभा अंतर्गत प्रभात चौराहे पर किया गया, जहां रंग-बिरंगी आतिशबाजी ने आसमान को जगमगा दिया। इस अद्भुत नज़ारे को देखने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उमड़े। आतिशबाजी के साथ-साथ भजन संध्या का आयोजन भी किया गया, जिसमें भक्ति रस में सराबोर संगीत प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भजन संध्या में सुप्रसिद्ध भजन गायकों ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। जयकारों और भजनों की गूंज से समूचा क्षेत्र भक्तिरस में डूब गया। श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चार और दीप प्रज्वलन के साथ नववर्ष का स्वागत किया।

न्यू मार्केट में चैती चांद की पूर्व संध्या पर केसरिया गुब्बारे उड़ाकर नव वर्ष का स्वागत किया

भोपाल। न्यू मार्केट सिंधी समाज द्वारा चैती चांद की पूर्व संध्या पर आयोजित शोभयात्रा मे न्यू मार्केट में केसरिया गुब्बारे उड़ाकर नव वर्ष का स्वागत किया गया। न्यू मार्केट सिंधी समाज अध्यक्ष पवन वरदानी एवम प्रवक्ता अजय देवनानी ने बताया की बड़ी संख्या मे उपस्तिथ धर्मयात्रियो ने भारत माता की जय,स्वागत हैं भाई स्वागत है नव वर्ष का स्वागत है के जयघोष के साथ चैती चाँद, नवसंवत्सर, गुड़ीपड़वा एवम चैत्र नवरात्रि की सभी को शुभकामनाएं प्रदान की।

संस्कृति बचाओ मंच ने हिंदू नव वर्ष पर भगवा ध्वज फहराए, तिलक लगाकर दी हिंदुओं को बधाई

भोपाल। संस्कृति बचाओ मंच के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि आज भोपाल में वर्ष प्रतिपदा हिंदू नव वर्ष के शुभ अवसर पर 51 जगह संस्कृति बचाओ मंच ने भगवा ध्वज फहराये व हिंदू सनातनियों को तिलक लगाकर हिंदू नव वर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित की आज के दिन से ही हमारा सनातन धर्म का हिंदू नव वर्ष प्रारंभ हो रहा है संस्कृति बचाओ मंच में सभी हिंदू धर्म के लोगो से अपने घर भगवा ध्वज लगाने की अपील की

जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम

भोपाल। कलियासोत डेम पर राज्य स्तरीय 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यक्रम में निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, जिला अध्यक्ष रविंद्र यति, कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण, जोन अध्यक्ष बृजुला सचान, पार्षद शिरोमणि शर्मा, अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान , अधिकारी गन एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

विधायक सबनानी ने किया यूरोलॉजी शिविर का अवलोकन

सिद्ध भाऊ ने देवी प्रतिमा का माल्यार्पण कर शिविर का औपचारिक शुभारंभ किया

संत हिरदाराम नगर। विधायक भगवानदास सबनानी ने सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में आयोजित 100वें नि:शुल्क यूरोलॉजी शिविर में रोगियों से भेंट की। विधायक ने मरीजों से शिविर की उपचार गुणवत्ता, सेवा और देखभाल के बारे में जानकारी ली। रोगियों ने सबनानी को बताया कि यहां की उपचार गुणवत्ता और सेवा अद्वितीय है। सबनानी अस्पताल के ऑपरेशन थियेटर में भी गए। शिविर में किये जा रहे उपचार और दी जा रही सेवा सुविधाओं के सम्बंध में सबनानी ने कहा कि यह परमहंस संत हिरदाराम साहिब का ही पुण्यप्रताप है कि पीड़ित मरीजों को मुफ्त में उच्च गुणवत्ता चिकित्सा सुविधाएं सुलभ हो रही हैं। इस अवसर पर मैनेजिंग ट्रस्टी ए.सी. साधवानी, सचिव हीरो ज्ञानचंदानी, ट्रस्टी महेश दयारामानी, तुलसी आडवानी, राजकुमार मूलचंदानी और सुरेश आवतरामानी, संत सेवक एल.सी. जनियानी भी विधायक के साथ थे। इसके पूर्व संत सिद्ध भाऊ ने शिविर में आए सभी डॉक्टर्स के साथ देवी प्रतिमा और साधू संतो के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर शिविर का औपचारिक शुभारम्भ किया। यूरोलॉजिस्ट्स द्वारा पहले दिन 40 रोगियों की सफल शल्य क्रियाएं की गई। इनमें प्रोस्टेट के 9, किडनी में पथरी के 11, ब्लेडर में पथरी के 2, हाइड्रोसिल के एक, हर्निया के 9, सर्कमसीशन के 3, सिस्ट के 5 तथा यूरेथ्रोप्लास्टी के एक ऑपरेशन किए गए। ये ऑपरेशन सुविख्यात यूरोलॉजिस्ट डॉ. अमर सिंह, डॉ. जीतेन्द्र अमलानी, डॉ. दर्शन शाह, डॉ. नीरज शर्मा, डॉ. प्रशान्त जैन, डॉ. अमीश मेहता, डॉ. गौरव बवादिया, डॉ. हीत अमलानी, डॉ. सी.पी. देवानी, डॉ. प्रवीण बलदानियां, डॉ. विकास कौशिक, डॉ. कविता और डॉ. श्याम लालचंदानी, डॉ. नरेश हिमथानी, डॉ. दीपक झांगियानी और डॉ. दीपक राज्यगुरू ने किए।

सम्पूर्ण स्वास्थ्य और उन्नाति के लिए शक्तिशाली प्रभावशाली साधन जप योग: योग गुरु महेश अग्रवाल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने सभी को सपरिवार हिन्दू नववर्ष विक्रम संवत्सर 2082 एवं चैत्र नवरात्रि पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह नव वर्ष हम सभी के जीवन में सुख , शांति , यश , उत्तम स्वास्थ्य , समृद्धि और सौभाग्य लाये। इस अवसर पर जप योग के बारें में बताया कि संस्कृत भाषा में जप का शाब्दिक अर्थ है - भगवन्नाम की पुनरावृत्ति। विश्व के समस्त धर्मों में भगवान के नाम की पुनरावृत्ति के अभ्यास को दैनिक धार्मिक अनुष्ठान हेतु निर्धारित किया गया है। जप एक अत्यन्त शक्तिशाली कार्यसाधक के रूप में माना गया है, जो साधक को परमानन्द और मोक्ष के उन अन्तिम क्षेत्रों तक पहुँचने में समर्थ बनाता है, जिन्हें समस्त मनुष्य कभी-न-कभी प्राप्त करने की अभीप्सा रखते हैं। इसलिए वर्तमान युग में जब मनुष्य जीवन-मूल्यों के प्रति अपनी सारी समझ खो चुका है और गलत मार्ग पर अग्रसर है, ऐसे समय में सांसारिक दु:खों से छुटकारा दिलाने के लिए जप या भगवान का नाम ही शक्तिशाली एवं प्रभावशाली साधन है। इस प्रकार बन्धन से मुक्त होने के लिये जप को सुगम विधि माना जाता है।योग गुरु अग्रवाल ने बताया पवित्र शब्द ? सर्वशक्तिमान् ईश्वर का प्रतीक है तथा आत्म-प्रकाश की खोज करने वाले साधकों को इस मन्त्र का मात्र उच्चारण ही नहीं करना चाहिए, वरन् इसके अर्थ पर भी चिन्तन करना चाहिए। अत: स्पष्ट है कि जप को एक यौगिक अभ्यास माना गया है। इसलिये इसकी व्याख्या करते समय जप योग शब्द का प्रयोग किया गया है।

कुर्रा 2 अप्रैल को मोती मस्जिद भोपाल में निकाला जाएगा

भोपाल। हज 2025 के लिये जाने वाले भोपाल, रायसेन व सीहोर के हज यात्रियों के लिये मक्काह मुकर्रमा में स्थित भोपाल रूबात में ठहरने के लिये कुर्रा 2 अप्रेल बुधवार को सुबह 8. 30 बजे मोती मस्जिद भोपाल में निकाला जाएगा। इस अवसर पर काजी-ए-शहर भोपाल एवं मुफ्ती-ए-शहर भोपाल उपस्थित रहेंगे। हज 2025 के लिये जाने वाले हाजियों से इस मौके पर मौजूद रहने की गुजारिश है। इस साल इंशा अल्लाह मक्काह मुकर्रमा की भोपाल रूबात में 200 हाजियों के ठहरने का इन्तेजाम किया जायेगा। यह जानकारी प्रशासनिक प्रबंधक औकाफे शाही भोपाल ने दी।

सीबीआई ने भूपेश बघेल के ओएसडी रहे आशीष वर्मा के घर पर मारा छापा

रायपुर। पूर्व सीएम भुपेश बघेल के OSD आशीष वर्मा के भिलाई निवास पर छापा मारा है। इससे पहले 26 मार्च को सीबीआई ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निवास सहित 33 से अधिक जगहों पर छापेमारी की थी। इस दौरान सीबीआई ने भिलाई के वसुंधरा नगर स्थित आशीष वर्मा के घर पर भी दबिश दी थी, लेकिन वे उस वक्त घर पर नहीं थे। 26 मार्च को छापेमारी के दौरान सीबीआई ने वर्मा के घर को सील कर दिया था। इसके बाद आशीष वर्मा की अपील पर शनिवार को उनका घर खोला गया और घर खुलते ही सीबीआई की टीम ने छापेमार कार्रवाई शुरू कर दी। उल्लेखनीय है कि सीबीआई की टीम ने 26 मार्च को तड़के रायपुर, भिलाई समेत दो दर्जन से अधिक स्थानों पर छापेमारी की थी। जिन प्रमुख लोगों के ठिकानों पर कार्रवाई हुई, उनमें पूर्व सीएम भूपेश बघेल और उनके राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा, सीएम सचिवालय में उप सचिव रहीं सौम्या चौरसिया, विधायक देवेंद्र यादव, पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा, सीबीआई अधिकारी आनंद छाबड़ा, अभिषेक पल्लव, आरिफ शेख, प्रशांत अग्रवाल, एडिशनल एसपी अभिषेक महेश्वरी, एडिशनल एसपी संजय ध्रुव, चक्रू ग्रुप के प्रशांत त्रिपाठी, मनीष बंछोर व आशीष वर्मा, निरीक्षक गिरीश तिवारी सहित 33 से अधिक ठिकाने शामिल हैं।

इंदौर में अरिजीत सिंह का कॉन्सर्ट होगा सबसे महंगा

इंदौर। इंदौर में 19 अप्रैल 2025 को होने वाले अरिजीत सिंह के कॉन्सर्ट को लेकर दर्शकों में भारी उत्साह है। यह आयोजन इंदौर का अब तक का सबसे महंगा शो माना जा रहा है, जिसमें टिकट की कीमतें 3,500 से लेकर 49,999 तक हैं। कुल मिलाकर 15,000 से अधिक टिकट उपलब्ध हैं, जिससे अनुमानित 15 करोड़ से अधिक की कमाई होने की संभावना है। नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, इस आयोजन के लिए अभी तक मंजूरी का कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है, न ही मनोरंजन कर का भुगतान किया गया है। पिछले अनुभवों को देखते हुए, जैसे दिलजीत दोसांझ के इंदौर कॉन्सर्ट के बाद आयोजकों पर मनोरंजन कर न चुकाने के कारण कार्रवाई की गई थी, यह आवश्यक है कि अरिजीत सिंह के कॉन्सर्ट के आयोजक समय पर सभी आवश्यक अनुमतियाँ और कर भुगतान सुनिश्चित करें। दर्शकों को सलाह दी जाती है कि वे टिकट खरीदते समय आयोजकों की विश्वसनीयता और सभी आवश्यक अनुमतियों की पुष्टि करें, ताकि किसी भी असुविधा से बचा जा सके। इंदौर में 19 अप्रैल 2025 को होने वाले अरिजीत सिंह के लाइव कॉन्सर्ट की टिकट दरें और अनुमानित कमाई इस प्रकार है वीवीआईपी लाउंज 9,999 प्रति टिकट (कुल टिकट संख्या नहीं बताई गई)। डायमंड 44,999 प्रति टिकट, कुल 1,000 टिकट, अनुमानित कमाई ?5 करोड़। प्लेटिनम 13,499 प्रति टिकट, कुल 4,000 टिकट, अनुमानित कमाई ?5.4 करोड़। गोल्ड 6,999 प्रति टिकट, कुल 5,000+ टिकट, अनुमानित कमाई 3.5 करोड़। सिल्वर 3,500 प्रति टिकट, कुल 6,000+ टिकट, अनुमानित कमाई 2 करोड़। कुल अनुमानित कमाई 15 करोड़ से अधिक। यह इंदौर का अब तक का सबसे महंगा कॉन्सर्ट माना जा रहा है।

महिला जागौरी समिति ने भगवा गमछा पहनाकर नव वर्ष की शुभकामनाएं दी

भोपाल। हिन्दू नव वर्ष गुड़ी पड़वा चैत्र नवरात्रि पर पर महिला जागौरी समिति द्वारा सोना मेडिकल के पास ,लोगों को माथे पर तिलक हाथ में रक्षा सूत्र , ओर भगवा गमछा पहनाकर नव वर्ष की शुभकामनाए दे रही हे और पक्षियों के लिए पानी के सकोरे वितरण किए गए। अध्यक्ष साधना नन्दू यादव महिला जागौरी समिति, सोनाली, लता गीते , मोना चौरसिया रानी लोधी, संगीता, गायत्री कुशवाहा उपस्थित रहे

अप्रैल से बढ़ेंगे खेती की जमीन से लेकर फ्लैट के दाम

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश में आगामी 1 अप्रैल से कलेक्टर गाइडलाइन में औसतन 8 से 10 प्रतिशत तक वृद्धि की योजना बनाई गई है। राजधानी भोपाल में यह बढ़ोतरी 14 प्रतिशत तक हो सकती है, जबकि इंदौर में यह 30 प्रतिशत तक प्रस्तावित की गई है। यह बदलाव केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड की बैठक में मंजूरी मिलने के बाद लागू होगा। इस बढ़ोतरी के साथ रजिस्ट्री शुल्क और संपत्ति की कीमतें भी महंगी हो जाएंगी, जिससे आम जनता पर अतिरिक्त वित्तीय दबाव पड़ सकता है।

2024-25 की गाइडलाइन में भी लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। लेकिन इस बार की गाइडलाइन में प्रस्तावित दरें अपेक्षाकृत अधिक हैं। इसके साथ ही कुछ अदृश्य उपबंधों को भी लागू किया जाएगा, जिनका असर सीधे रजिस्ट्री की लागत पर पड़ेगा। कृषि भूमि की रजिस्ट्री की कीमत में तो दोगुना इजाफा हो सकता है, वहीं फ्लैट्स की रजिस्ट्री की कीमत भी डेढ़ गुना तक बढ़ सकती है। इस प्रकार, संपत्ति की रजिस्ट्री की लागत में यह वृद्धि न केवल रियल एस्टेट निवेशकों के लिए, बल्कि आम नागरिकों के लिए भी चिंता का विषय बन सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम और विंसेंट डेनियल प्रकरण की सुनवाई के दौरान एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि सर्किल रेट्स या गाइडलाइन रेट्स को वैज्ञानिक, विशेषज्ञ-आधारित और वास्तविक बाजार मूल्य को प्रतिबिंबित करने वाली पद्धति से तय किया जाना चाहिए। इसका मतलब यह है कि इन दरों को कृत्रिम रूप से बढ़ाए जाने से बचना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय की यह टिप्पणी एक तरह से (कंफेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया) की लंबे समय से उठाई जा रही मांग का समर्थन करती है, जिसमें गाइडलाइन रेट्स को सही तरीके से और पारदर्शी ढंग से निर्धारित करने की आवश्यकता जताई गई थी।

भोपाल सीआरईडीएआई के अध्यक्ष मनोज मीक ने इस मुद्दे पर कहा कि गाइडलाइन रेट्स की वृद्धि से रजिस्ट्री की लागत में भारी इजाफा हो रहा है। यह लगातार बढ़ोतरी रियल एस्टेट के क्षेत्र में और आम नागरिकों के लिए एक चुनौती बन गई है। क्रेडाई के प्रदेश अध्यक्ष धीरेश खरे ने भी इस मुद्दे पर अपनी आपत्ति जताते हुए कहा कि सरकार को वैज्ञानिक तरीके से दरों को बढ़ाना चाहिए, ताकि यह वृद्धि ज्यादा वाजिब और न्यायसंगत हो। मध्य प्रदेश के रजिस्ट्री अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान में सभी जिलों की गाइडलाइन सॉफ्टवेयर के माध्यम से निर्धारित की जा रही है। केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड जल्द ही इन रेट्स पर निर्णय लेगा। जिलों की मूल्यांकन समितियाँ रजिस्ट्री के विश्लेषण और सालभर में हुई रजिस्ट्री के आधार पर दरें तय करती हैं।

पूर्व पर्व आईपीएस अधिकारी एन के त्रिपाठी इन दिनों वियतनाम की यात्रा पर हैं।

नवरात्रि के पहले दिन होगी मां शैलपुत्री की पूजा

इन मंत्रों का करें जाप, कई परेशानियां होगी दूर

हिंदू धर्म में प्रत्येक त्योहार का विशेष महत्व होता है, और चैत्र नवरात्रि भी उनमें से एक है। आज से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत हो रही है, जिसमें नौ दिनों तक मां दुर्गा के नौ रूपों की आराधना की जाती है। इस वर्ष एक तिथि का क्षय होने के कारण नवरात्रि 9 के बजाय 8 दिनों की ही होगी। चैत्र नवरात्रि का पहला दिन, जो चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि यानी 30 मार्च 2025 को पड़ रहा है, मां शैलपुत्री

को समर्पित होता है। इसी दिन घटस्थापना भी की जाती है, जो नवरात्रि के शुभारंभ का प्रतीक मानी जाती है। इसलिए नवरात्रि का पहला दिन अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। आज हम घटस्थापना के शुभ मुहूर्त, माता शैलपुत्री की पूजा विधि और अन्य संबंधित जानकारियों पर प्रकाश डालेंगे।

चैत्र नवरात्रि 2025 के पहले दिन घटस्थापना या कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त सुबह 06:13 बजे से 10:22 बजे तक रहेगा, जो कुल 4 घंटे 08 मिनट का है। इसके अलावा, अभिजित मुहूर्त दोपहर 12:01 बजे से 12:50 बजे तक रहेगा। चैत्र मास की प्रतिपदा तिथि 29 मार्च 2025 की शाम 04:27 बजे से शुरू होकर 30 मार्च 2025 की दोपहर 12:49 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि में पड़ने के कारण, मां शैलपुत्री की पूजा और व्रत का संकल्प 30 मार्च को किया जाएगा।

चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन माता शैलपुत्री की पूजा के लिए सबसे पहले प्रातःकाल उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इसके बाद माता का ध्यान करते हुए पूजा स्थल को शुद्ध करें। पूजा की शुरुआत एक चौकी को गंगाजल से पवित्र करने के बाद उस पर लाल कपड़ा बिछाकर मां दुर्गा की प्रतिमा या चित्र स्थापित करने से करें। फिर माता के समक्ष धूप, दीप और शुद्ध घी का दीपक प्रज्वलित करें। मां शैलपुत्री को भोग अर्पित करें और श्रद्धापूर्वक उनकी आरती करें। इसके साथ ही दुर्गा चालीसा और दुर्गा सप्तशती का पाठ कर माता को नमन करें।

चैत्र नवरात्रि के पहले दिन शुभ रंग नारंगी माना गया है, इसलिए इस दिन पूजा-पाठ के दौरान नारंगी रंग के वस्त्र धारण करना शुभ फलदायी होगा। माता शैलपुत्री की पूजा में विशेष भोग अर्पित करने की परंपरा है, जिसमें गाय के दूध से बनी चीजें सर्वश्रेष्ठ मानी जाती हैं। मां को दूध, चावल और गुड़ से बनी खीर अर्पित करना अत्यंत शुभ होता है। इसके अलावा, पेड़े या अन्य दूध से बनी मिठाइयां भी मां शैलपुत्री को चढ़ाने से विशेष कृपा प्राप्त होती है।

चैत्र नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की कृपा प्राप्त करने के लिए इन मंत्रों का जाप करना अत्यंत लाभकारी होता है-

पहला मंत्र

ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे ?
शैलपुत्री देव्यै नमः।

दूसरा मंत्र

या देवी सर्वभूतेषु मां शैलपुत्री रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

इन मंत्रों का श्रद्धा और भक्ति के साथ जाप करने से मां शैलपुत्री की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का आगमन होता है।

राज्यपाल मंगूभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में दीक्षांत समारोह कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अशोकनगर में मनाया हिंदू नव वर्ष गुड़ी पड़वा

अशोकनगर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे के तीसरे दिन अशोकनगर में मराठी समुदाय के साथ गुड़ी पड़वा का पर्व उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर उन्होंने सर्किट हाउस, अशोकनगर में आयोजित पूजा पाठ में भाग लिया और उपस्थित जनसमुदाय के साथ पर्व की खुशियां साझा कीं।

बच्चों को भी दी शुभकामनाएं, सभी के सुख-समृद्धि की प्रार्थना की- समारोह के दौरान सिंधिया ने विशेष रूप से बच्चों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व नई ऊर्जा, सकारात्मकता और समृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने प्रार्थना की कि यह वर्ष सभी के लिए मंगलमय और खुशहाल रहे।

सिंधिया के मराठी मूल- यह गौरव का विषय है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया का गहरा मराठी जुड़ाव है। उनके पूर्वजों की स्थापना रणोजी सिंधिया ने की थी, जो मराठा साम्राज्य के प्रतिष्ठित सरदारों में से एक थे। उन्हें पेशवा बाजीराव प्रथम ने मराठा योद्धा के रूप में नियुक्त किया था, और सिंधिया परिवार का मराठा इतिहास शौर्य और पराक्रम का प्रतीक रहा है।

पंचायत ग्रामीण एवं श्रम कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने विक्रम उत्सव 2082 पर अपने जबलपुर से आवास पर ध्वज लगाया।

मध्य प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री जालम सिंह पटेल ने नलखेड़ा स्थित बगलामुखी देवी का सपरिवार नव वर्ष पर पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

महापौर मालती राय ने आज पत्रकार कालोनी में हिंदू नववर्ष, गुड़ी पड़वा, चैती चांद के अवसर पर नृत्य, भजन, एवं प्रसादी वितरण के कार्यक्रम में सम्मिलित होकर कन्या पूजन की एवं भंडारा में सहभागिता की इस अवसर पर जोन अध्यक्ष श्रीमती बृजुला सचान एवं आयोजक समिति उपस्थित रहे।

बांसुरी स्वराज का स्वागत

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं पार्टी की सांसद सुश्री बांसुरी स्वराज ने आईएम बीजेपी फ्यूचर फोर्स के प्रतिभागियों के साथ रविवार को श्यामला हिल्स स्थित राज्य संग्रहालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यकम को सुना। इस अवसर पर बूट कैंप को कैंप के संयोजक मुदित शेजवार, सह संयोजक जयवर्द्धन जोशी एवं पेनालिस्ट गुंजन चौकसे उपस्थित रही।

राष्ट्रीय कैलेंडर के लिए विक्रम संवत् कब तक अस्पृश्य रहेगा?

डॉ.मुरलीधर चाँदनीवाला

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का दिन विक्रम संवत् के आरम्भ होने का दिन है। यह दिन विश्व के सबसे पहले गणतंत्र का स्थापना-दिवस होने के साथ-साथ सृष्टि के आरम्भ का भी दिन है। अब से 2082 वर्ष पहले शकों को परास्त कर मालव गणराज्य की जो अविस्मरणीय जीत हुई, उसे राष्ट्रीय गौरव का विषय माना जाता है। पूरा भारत आज भी इस दिन को पूरे उत्साह के साथ उत्सव के रूप में मनाता है। घर-घर, द्वार-द्वार गुड़ी बाँधने की परम्परा के कारण यह दिन गुड़ी पड़वा भी कहलाता है। गुड़ी विजयोल्लास की देवी है, नये संवत्सर की शुभ-संदेशवाहिका है। यह नव-संवत्सर की सनातन उषा ही है जो हमारे द्वार पर उत्सव बन कर आ खड़ी होती है।

जिस तरह हिन्दी का राष्ट्रव्यापी वर्चस्व होते हुए भी वह हमारी राष्ट्रभाषा नहीं, उसी तरह विक्रम संवत् का चारों तरफ बोलबाला होते हुए भी वह राष्ट्रीय कैलेंडर नहीं बन सका। हमारा राष्ट्रीय कैलेंडर वर्ष 1957 में घोषित हुआ। दुर्भाग्यवश विक्रम संवत् को नहीं, शक संवत् को राष्ट्रीय कैलेंडर के लिये चुना गया। तब से लेकर अब तक विक्रम संवत् राष्ट्रीय कैलेंडर के लिये अस्पृश्य ही बना हुआ है।

बहुत कम लोग जानते हैं कि ऐसा क्यों है? कहा जाता है कि तत्कालीन सरकार ने धर्म-निरपेक्ष सिद्धांतों के दबाव में आकर विक्रम संवत् को पीछे धकेला, और शक संवत् को आगे किया। इस काम को ताकत मिली इस बात से कि शक संवत् ईस्वी सन् की तरह सौर गणना पर आधारित है। राष्ट्रीय कैलेंडर बनाते समय केवल इस बात पर जोर था कि वही संवत् स्वीकार्य हो, जो ग्रेगोरियन कैलेंडर के साथ कदमताल कर सके।

क्या यह दुःख का विषय नहीं, कि सब लोग जिस तिथिपत्र के अनुसार सारे तीज-त्यौहार मनाते हैं, महाकुम्भ जैसा विराट पर्व मनाते हैं, मुहूर्त निकालते हैं, लोक-कला और लोक-संस्कृति से जुड़ते हैं, वह महान् विक्रम संवत् स्वतंत्र भारत में राष्ट्रीय कैलेंडर का हिस्सा नहीं है। सब जानते हैं कि विक्रम संवत् सूर्य की गति पर नहीं, चंद्रमा की कलाओं पर निर्भर है। कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष के एक-एक दिन के कलात्मक सौन्दर्य के जादू से हम सब वाकिफ हैं। शक संवत् भले ही राष्ट्रीय पंचांग हो, लेकिन हम पर उसका कोई खास असर नहीं। स्वतंत्र भारत का राष्ट्रीय कैलेंडर एक ओर से ईस्वी सन् को पकड़े हुए है, दूसरी ओर शक संवत् को।

शक और हूणों ने आक्रमण कर हमारे देश को जो हानि पहुँचाई, उसका हिसाब होने से पहले ही हमें दूसरे विदेशी आक्रान्ताओं का सामना करना पड़ा। अंग्रेजों ने हम पर राज किया, वे चले भी गये, लेकिन अंग्रेजी शिक्षा को ही सब कुछ मान लेने की मानसिकता ने हमसे अमूल्य संस्कार छीन लिये। उसने हमारा संवत् ही नहीं छीना, वह सब छीन लिया, जिस पर हम गर्व कर सकते थे। अंग्रेजों ने भारत पर राज करने के लिये जान-बूझकर शक संवत् को पकड़कर रखा। भारत स्वतंत्र हुआ, तब सत्ताधारियों ने भी उसे छोड़ने का जोखिम नहीं उठाया।

हमारे स्कूलों में इतिहास पढ़ाते समय आज भी ईसापूर्व (बी.सी.) और ईसापश्चात् (ए.डी.) का उल्लेख किया जाता है, जबकि विक्रमादित्य ही ईसा से 57 वर्ष पहले हुए। हमें कालगणना के अपने मानकों का प्रयोग करते रहने में क्या कठिनाई थी, यह समझ से परे है। विक्रम संवत् के आरम्भ को ईसा पूर्व 57 कहने की अपेक्षा विक्रम संवत् 01 कहने में भला क्या अड़चन हो सकती है? हमारे होनहार बच्चे पूरे विश्व की सूचनाओं से परिचित हैं, किन्तु भारतीय संस्कृति की बुनावट करने वाले विक्रम संवत् से उन्हें अनभिज्ञ रखने का पाप किसके माथे? हिन्दू संस्कृति की दुहाई देने वालों के परिजनों से और बच्चों से पूछ कर तो देखिए, कि अभी कौन सा संवत् चल रहा है? भगवान् करे, आप निराश हो कर जमीन में न धँस जाएँ।

सम्राट् विक्रमादित्य से ले कर राजा भोज के काल तक की लगभग दस सदियों में सनातन धर्म की शिक्षाओं के चलते हम जिस ऊँचाई पर थे, वह भारतीय इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों में दर्ज है। जब-जब शिक्षा में गिरावट आई, समाज का भी पतन हुआ। हमारे शिक्षक नई पीढ़ी को मिट्टी की गंध से दूर रखेंगे, तो वह संस्कारों से वंचित रहेगी और अपनी विरासत से भी। मैकाले की शिक्षा पद्धति को दोष देकर अपना बचाव करने वाली सरकारें तो आती-जाती रहेंगी, लेकिन हमें वे रास्ते खुले रखने होंगे, जो प्राचीन आचार्यों ने बनाए।

आक्रान्ताओं के अधीन रहने का दुर्भाग्य झेलते हुए हम यहाँ तक आ गये, किन्तु जो आलोक-स्तम्भ हमारे पूर्वज हिन्दू नरेशों ने स्थापित किये थे, वे आज भी हमें आलोकित करते रहते हैं। विजय को समय की रेत के साथ फिसलने से बचाये रखने का ऐसा कोई और उदाहरण हमें कहीं नहीं मिलता। आश्चर्य यह कि विक्रम संवत् ने हमें हिन्दू पंचांग ही नहीं दिया, अपितु वर्ष भर चलते रहने वाले तीज-त्यौहारों की सौगात भी दी। यह सौगात नहीं होती, तो हमारी लोक-चेतना न जाने कब टूट कर बिखर जाती।

विक्रम संवत् अपने शुरुआती दौर में कृत संवत् था, कालान्तर में उज्जयिनी के मालव नरेशों की लोकप्रियता के चलते वह मालव संवत् के नाम से जाना गया। राजा भोज के समय के आसपास ही विक्रमादित्य के विरुद को अनंतकाल तक जीवन्त बनाये रखने के लिये लोक में विक्रम संवत् प्रचलित हुआ। महान् हिन्दू सम्राट् विक्रमादित्य ने अपनी सभा के विद्वानों की सहायता ले कर जिस संवत् को मालव-संवत् या कृत संवत् नाम दे कर कालगणना का वटवृक्ष तैयार किया, उसे उनकी लम्बी वंश परम्परा ने सींचा। उसकी छाया में हल जोतते हुए किसान, श्रमिक, व्यापारी, श्रेष्ठी समाज, विप्र समुदाय, योद्धा, चिकित्सक और विद्या के क्षेत्र में अपनी फसल उगाने वाले महारथियों ने नये-नये कीर्तिमान रचे। उन्हीं की बदौलत हमें भारतीय इतिहास का वह स्वर्णयुग मिला, जिस पर आज भी हमें नाज है।

हमारे आचार-विचार विक्रम संवत् के अनुशासन से बँधे हुए रहे हैं। विक्रम संवत् की जीवन-शक्ति और इसकी चमक सबसे निराली है। इस संवत् के मास, पक्ष और तिथियों का आधा-अधूरा ज्ञान होने के बावजूद नयी और पुरानी पीढ़ी के लोग विक्रम संवत् के साथ दिल से जुड़े हुए हैं, क्योंकि हमारे धार्मिक रीति-रिवाज, जन्म-विवाह-मृत्यु से सम्बंधित सामाजिक व्यवहार, दशहरा, दिवाली, होली, रक्षाबंधन सहित सारे पर्व और त्यौहार जिस तिथिपत्र के अनुसार मनाये जाते हैं, वह विक्रम संवत् पर ही निर्भर है।

विद्वानों के मतानुसार विक्रम संवत् ही आधुनिक है। इससे पहले के सप्तर्षि संवत्, युधिष्ठिर संवत्, वीर निर्वाण संवत्, बुद्धनिर्वाण संवत् प्रचलित हैं, किन्तु विक्रम संवत् की जीवन-शक्ति और इसकी चमक के आगे ये सब फीके होते चले गये। विक्रम संवत् ने हमारे सामाजिक जीवन को उत्सव बनाये रखने के लिये त्यौहारों का सृजन किया, सांस्कृतिक इतिहास की रचना की। इस संवत् ने संवत्सर और कालचक्र के विज्ञान को जीवन के उल्लास से जोड़ कर उस उत्सव-धर्म की नींव रखी, जो हमारे संघर्ष भरे दिनों में भी जीवन का उत्साह बनाये रखने के लिये वरदान सिद्ध हुई है।

नव वर्ष – नव संकल्प

शिवप्रकाश
लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं

भारतीय कालगणना के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को विक्रमी संवत 2082 प्रारंभ हो रहा है। आंग्ल तिथि के अनुसार 30 मार्च रविवार का यह दिन है। भारतीय स्वाभिमान के प्रतीक अनेक ऐतिहासिक प्रसंग चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के साथ जुड़ें है 7 पृथ्वी की उत्पत्ति के कारण पृथ्वी संवत, सृष्टि प्रारंभ दिवस के कारण सृष्टि संवत, श्रीराम जी का राज्याभिषेक, कलयुग संवत,युधिष्ठिर संवत, विक्रम संवत (2082), शालिवाहनशकसंवत (1947), युगाब्द (5127), मालव संवत, गुडी पाडवा, आर्य समाज स्थापना, उगादि, गुरु अंगद देव का जन्म दिवसएवं झूलेलाल जी का अवतरण दिवस आदि सभी प्रेरणा दिवस इस शुभ दिन के साथ जुड़े है 7 शक्ति की उपासना के प्रतीक नवदुर्गा का प्रारंभ एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार का जन्म भी वर्षप्रतिपदा ही है।

भारतीय स्वाभिमान के प्रतीक जीवन की समस्त विधाओं में भारत की अग्रगणीयता, आर्थिक समृद्धि,प्रकृति में वसंत अर्थात सम्यक परिवर्तन की दिशा का संदेश संपूर्ण मानवता को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा देती आई है। भारतीय समाज में व्यैक्तिक एवं सामूहिक जीवन में उत्थान के लिए नव वर्ष पर नव संकल्प लेने की परंपरा है। इस विक्रम संवत के आगमन पर हम हर्ष एवं उल्लास के साथ नव वर्ष का स्वागत करेंएवं भावी समाज को संरक्षित करने की दिशा में नवसंकल्प लें।

शारीरिक :- शरीरमाध्यम्खलु धर्म साधन (अर्थात धर्म के साधन का मार्ग स्वस्थ शरीर ही है) भारत मेंअसावधानी के कारण हमारा खानपान स्थूल(मोटापा) शरीर का निर्माण कर रहा है। जिसके कारण अनेक रोग हमारे शरीर को अपना घर बना रहे हैं 7 दुनिया के देशों की तुलना में हमारे देश में गंभीर रोगों का औसत अधिक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को संबोधित करते हुए फिट इंडिया का संदेश दिया था। नव वर्ष पर यदि हम अपनी प्रतिदिन की दिनचर्या में संतुलित आहार, व्यायाम एवं योग को स्थान देंगे तब हमारा स्वास्थ्यअच्छा होगा। हमारा स्वास्थ्य ही राष्ट्र के स्वास्थ्य से जुड़ा है। इसको हम प्रतिदिन का संकल्प बनाएं।

पारिवारिक :- भारतीय समाज के चिरंजीवी होने के अनेक कारणों में से महत्वपूर्ण है हमारी पारिवारिक व्यवस्था। संपूर्ण विश्व इस पारिवारिक व्यवस्था का अध्ययन एवं अनुपालन करने का प्रयास कर रहा है। परिवार के सभी सदस्यों में सामूहिकता, सुरक्षा, परस्पर प्रेम और आत्मीयता का अंकुरण होता है। परिवार टूटने के कारण ही दुनिया के देश अपने बजट का बड़ा भाग सामाजिक सुरक्षा पर खर्च कर रहे हैं। भारत में दुनिया की तुलना में यह न्यून ह। हम अपने परिवार के वृद्धों को सम्मान एवं आत्मीयता दें। इसका परिणाम होगा कि नवीन पीढ़ी में भी यह संस्कार आएगा। परिवार के सदस्य सामूहिक भोजन, सामूहिक भजन एवं वर्ष में एक-दो बार विशेष प्रसंगो पर वृहद् परिवार मिलन कर पारिवारिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने का संकल्प लें।

भाषा सीखे:- विशाल भूभाग वाले अपने देश में अनेक भाषाओं एवं बोलियों का उपयोग होता है। सभी भाषाओं में एक अन्तर्निहित एकात्मता है। हम अपनी मातृभाषा के साथ-साथ एक और दूसरे प्रदेश की भाषा सीखने का प्रयास करें। जिसके कारण हम उस भाषा के साहित्य में छिपे तत्वज्ञान,महापुरुषों एवं परंपराओं को समझ सकेंगे, एवं राष्ट्र की एकात्मता वृद्धि में सहयोगी बन सकेंगे।

नागरिक अनुशासन :- देश के संविधान के प्रति आदर एवं श्रद्धा भाव, देश को सुचारू संचालित करने के लिए बनी व्यवस्थाओं का अनुपालन, देश की सम्पत्तियों का संरक्षण, नियमों का पालन,शुचिता पूर्ण कर्तव्य निष्ठ व्यवहार करने से देश में अनुशासन का भाव निर्माण होगा। यह अनुशासन ही किसी भी देश की महानता की गारंटी है। अभावग्रस्त समाज के लोगों को शिक्षा,भोजन,कार्य कुशलता निर्माण कर सेवा के माध्यम से समृद्ध करें। अपने चारो तरफ होने वाली घटनाओं के प्रति सजग रहते हुए समाज में सुरक्षितता का वातावरण बनाएं। नए-नए प्रयोगों के द्वारा रोज़गार प्रदान करते हुए भारत को आर्थिक समृद्ध कर, विकसित भारत के संकल्प की पूर्ति में सहायक होना हमारा संकल्प बने।

संयमित एवं सादगी पूर्ण जीवन शैली:- पंडित दीन दयाल उपाध्याय द्वारा स्थापित सिद्धांत खर्च में संयम एवं उत्पादन में वृद्धि हम सभी के लिए मार्गदर्शक है। आय से अधिक खर्च किसी भी समाज में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है। समाज में एक दूसरे को देखकर अधिक खर्च की प्रवृत्ति भी बढ़रही है। शादी-विवाह एवं शुभ प्रसंगों के समय बर्बाद होता भोजन यह राष्ट्र की संपत्ति का ही नुकसान है। यह दृष्टि लेकर व्यक्तिगत जीवन में सादगी एवं संयम पूर्ण व्यवहार से समाज को सम्यक दिशादें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अन्न की बर्बादी के संबंध में सम्पूर्ण देश को सचेत किया था।

महिला सशक्तीकरण:- अपने प्राचीन धर्म ग्रंथो में माँ (स्त्री) का बड़ा श्रेष्ठ स्थान (यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः) था। कालांतर में समाज में अनेक कुप्रथाए आई। आज भी समाज में हृदय को विदीर्ण करने वाली अनेक घटनाएं होती रहती है 7 महिला हिंसा एवं दुर्व्यवहार को समाप्त करें। समाज में महिलाओं को समान स्थान,समान अवसर, निर्णयों में समान सहभागिता का वातावरण बनाने में हम सभी सहभागी बने।

पर्यावरण संरक्षण :- महात्मा गाँधी जी का प्रसिद्ध वाक्य "The Earth has enough resources for our need but not for our greed."भोगवादी जीवन शैली एवं प्रकृति के संसाधनों पर कब्जे की मनोवृति के कारण हमने पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ की है। जिसका परिणाम है प्रदूषण एवं तापमान में वृद्धि। अनेक विद्वानों एवं पर्यावरण केंद्रित संस्थाओं के आकड़े हमें चिंतित करने वाले है। मनुष्य का जीवन भविष्य में सुरक्षित रहेगा अथवा नहीं यह सभी की चिंता का विषय है। हम इस नव वर्ष पर अपना जीवन पर्यावरण को संरक्षित करनेवाला बनाएं, एवं जल, भोजन, वायु, वनस्पति सभी शुद्ध रहे इसका संकल्प लें।

संस्कृति स्वाभिमान :- हमारी संस्कृति त्यागमयी एवं सभी के कल्याण का विचार करने वाली है। इस कारण विश्व शांति की गारंटी भारतीय संस्कृति ही है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा हमको इस सांस्कृतिक गौरव का ही स्मरण कराती है। हम स्वयं एवं आने वाली पीढ़ी में अपने महापुरुषों, अपनी परंपराओं के प्रति यह गौरव के भाव को जागृत करने का संकल्प लें। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के उत्सव को व्यक्तिगत के साथ-साथ समाज का उत्सव बनाते हुए, हम अपने व्यक्तिगत जीवन एवं समाज जीवन में यह संकल्प ले तब नव वर्ष की सार्थकता सिद्ध होगी।

वैज्ञानिक अनुसंधान, समय की गति, ऋतु परिवर्तन और सकारात्मक जीवन का संदेश है भारतीय नववर्ष संवत्सर में

--रमेश शर्मा

भारतीय नववर्ष चैत्र शुक्ल पक्ष की एकम् से आरंभ होता है। अंग्रेजी कैलेण्डर के अनुसार इस वर्ष यह तिथि 30 मार्च को है। नये साल को नवसंवत्सर कहते हैं और नववर्ष के पहले दिन चैत्र शुक्ल पक्ष की एकम् गुड़ी पड़वा के रूप में मनायी जाती है। आधुनिक दुनियाँ में काल गणना पत्रक को कैलेण्डर और भारतीय परंपरा में पंचांग कहते हैं। समय मापने के पाँच आधार होने के आधार पर इसका नाम पंचांग है। वैज्ञानिक पद्धति से समय गणना की यह संसार की सबसे प्राचीन पद्धति है।

संसार के समस्त प्राणियों का जीवन और सौर मंडल का समय चक्र अंतरिक्ष के ग्रहों की स्थिति से चलता है। कब दिन होगा, कब रात होगी, गर्मी सर्दी और बरसात यह सब ग्रहों की गति पर निर्भर होता है। अंतरिक्ष के ग्रहों की स्थिति का सर्वाधिक अध्ययन भारतीय मनीषियों ने किया है। अपने अनुसंधान के आधार पर अंतरिक्ष के ग्रहों की स्थिति के अनुरूप जीवन शैली का विकास किया है। और इसी आधार पर समय चक्र बनाया जिसमें संवत के नाम और संवत आरंभ होने की तिथि निर्धारित करके पंचांग को आकार दिया। पंचांग में केवल दिन या तिथि की ही जानकारी नहीं होती। यह पाँच तत्वों पर आधारित होती है। दिन, तिथि, नक्षत्र, कर्ण और योग। ये ग्रहों की गति आकलन के सूत्र हैं। इनके आकलन से मौसम बदलने, बरसात होने अथवा सूखा पड़ने के संकेत मिलते है। आधुनिक विज्ञान वेधशाला में अध्ययन के बाद सूर्य ग्रहण अथवा चन्द्र ग्रहण की तिथि की घोषणा होती है लेकिन भारतीय पंचांग में यह अनुमान पहले से दिया होता है। यह भारतीयों के लिये अतिरिक्त गौरव का प्रसंग है कि ग्रहण केलिये पंचांग से निर्धारित समय और वैज्ञानिकों द्वारा घोषित समय में कभी कोई अंतर नहीं आता। इसी अनुसंधान का निष्कर्ष है भारतीय संवत्सर और उसका पहला दिन गुड़ी पड़वा।

भारतीय नववर्ष चैत्र शुक्ल पक्ष एकम् से आरंभ होता है। यह तिथि इस वर्ष 30 मार्च को है। गुड़ी पड़वा से विक्रम संवत् 2082 का और युगाब्द 5127 का आरंभ हो रहा है। भारतीय गणना में प्रत्येक वर्ष का अपना नाम होता है। इस वर्ष संवत्सर का नाम कालयुक्त होगा। भारतीय परंपरा में प्रतिवर्ष का कोई न कोई ग्रह राजा होता है और कोई ग्रह मंत्री। इस वर्ष के राजा के सूर्य होंगे। मंत्री का दायित्व भी सूर्यदेव स्वयं संभालेंगे। चैत्र शुक्ल पक्ष एकम् अर्थात गुड़ी पड़वा सृष्टि के विकास आरंभ का दिन माना जाता है। सृष्टि के सृजन तिथि शिवरात्रि है। लेकिन समय और सृष्टि की विकास प्रक्रिया चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से आरंभ होना मानी जाती है। भारत में इसदिन की विशेष महत्ता है। महाभारत काल में सम्राट युधिष्ठिर ने अपने राज्याभिषेक केलिये इसी तिथि का चयन किया था। और इसी तिथि को सम्राट विक्रमादित्य का राज्याभिषेक हुआ। इन दोनों तिथियों से दो अलग-अलग काल गणना पंचांग अर्थात कैलेण्डर आरंभ हुये। सम्राट युधिष्ठिर के राज्याभिषेक से आरंभ नववर्ष गणना अर्थात कैलेण्डर को युगाब्द और सम्राट विक्रमादित्य के राज्याभिषेक से आरंभ गणना को विक्रम संवत कहते हैं। युगाब्द संवत को पंचांग निर्माता तो मान्यता देते हैं पर सरकारी मान्यता नहीं है। सरकारी मान्यता विक्रम संवत को है। विक्रम संवत के अतिरिक्त एक अन्य शक संवत को भी राष्ट्रीय मान्यता है। शक संवत का आरंभ शालिवाहन काल में शकों से भारत की मुक्ति केसाथ आरंभ हुआ था। भारतीय समाज जीवन में विक्रम संवत को अधिक मान्यता है। तीज त्यौहारों का निर्धारण विक्रम संवत के आधार पर तैयार पंचांग से ही होता है। पंचांग में काल गणना की दो विधियाँ होतीं हैं। एक चंद्रमा की गति पर आधारित और दूसरी सूर्य की गति पर आधारित। चन्द्र गणना में वर्ष की अवधि 355 दिन होती है। जबकि सूर्य गणना में 365 दिन। शक संवत में गणना सूर्य आधारित होती है। जबकि विक्रम संवत आधारित पंचांग में ये दोनों गणनाएँ होतीं हैं। तीज त्यौहार और तिथि निर्धारण तो चन्द्र गणना से होता है लेकिन इसे सूर्य की गति से संतुलित कर लिया जाता है। संतुलन केलिये जोड़ी गई अवधि को मल मास कहा जाता है। मलमास की अवधि का निर्धारण बृहस्पति और मंगल की गति से संतुलन समझकर किया जाता है। इस संतुलन की तिथि मकर संक्रांति अर्थात 14 जनवरी है। इस प्रकार विक्रम संवत के वर्ष की अवधि भी 365 दिन हो जाती है।

संवत नाम का निर्धारण और वर्ष, माह और दिनों के नाम का अनुसंधान

भारत में किसी तीज त्यौहार की परंपरा और उसके नाम यूँ ही नहीं होते। उसके पीछे एक दर्शन होता है, अनुसंधान होता है। यह अनुसंधान काल गणना के आरंभ की तिथि चैत्र शुक्ल पक्ष एकम् के निर्धारण के अतिरिक्त संवत्सर नामकरण में भी हुआ है। संवत्सर और माह के नामों के निर्धारण में भाषा विज्ञान, समय और ग्रहों की गति का अनुसंधान है। युगाब्द और विक्रम संवत के साथ ऐसा नहीं है कि इसका निर्धारण बाद हो लेकिन पूर्व के वर्षो का आकलन करने इतिहास की किसी महत्वपूर्ण तिथि से लागू हुआ हो। जैसा गैगेरियन कैलेण्डर की रचना में हुआ। इस कैलेण्डर का निर्माण तो सत्रहवीं शताब्दी में हुआ था लेकिन इसे ईसा मसीह की तिथि का आकलन करके लगभग सोलह सौ वर्ष पूर्व की तिथि से लागू किया गया। जबकि भारतीय काल गणना युगाब्द, विक्रम संवत और शक संवत तीनों पहले दिन से ही पूर्ण आकलन के साथ लागू हुये हैं। यूरोप में जब अपने पुराने कैलेण्डरों में सुधार करके समय की गति के अनुरूप सटीक कैलेण्डर बनाये जा रहे थे तब तो भारत में समय की गति को पत्थरों पर उकेरा जाने लगी थी। इसे जयपुर, उज्जैन की भग्न वेधशालाओं और दिल्ली के जंतर मंतर से समझा सकता है।

काल गणना को वर्ष के रूप में संवत्सर नाम साधारण नहीं है। यह भाषा विज्ञान का अद्भुत अनुसंधान है। संवत्सर संस्कृत भाषा का शब्द है। संस्कृत में शब्द रचना का अपना सिद्धांत होता है। इसमें धातु, प्रत्यय उपसर्ग आदि होते हैं। संवत शब्द संस्कृत की दो धातुओं से बना है। एक धातु सम् और दूसरी वत्। पहली सम धातु में स सृष्टि का और म सृष्टि के नाद का प्रतीक है। इसीलिये सृजन, सृष्टि, संसार, संहार जैसे शब्द इसी धातु से बनते हैं। और म् सृष्टि के रहस्य का प्रतीक है। इसीलिये ओइम् परम् जैसे शब्दों को पूर्णता म् से ही मिलती है। माँ का आरंभ भी म् से होता है। जबकि वत् गति का प्रतीक है। अब इन दोनों धातुओं को मिला कर शब्द बना संवत्। संवत उपसर्ग में 'सरन' प्रत्यय के रूप में जोड़ने से संवत्सर शब्द बनता है। संवत्सर की परिभाषा में कहा गया है- सं वसन्ति ऋतवो अत्र संवत्सरः अर्थात जिसमें ऋतुएँ निवास करती हैं, वह संवत्सर है। पूरे वर्ष में छै ऋतुएँ होतीं हैं। सभी का निवास अर्थात वर्ष की पूर्णता का नाम संवत्सर होता है। शब्द संवत्सर में में नव शब्द उपसर्ग के रूप में जोड़ने से नवसंवत्सर शब्द बनता है।

गुड़ी पड़वा का अर्थ मनाने का तरीका

भारतीय नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का दिन उत्सव मनाने का नहीं होता। यह पूरे वर्ष आने वाली चुनौतियों और ऋतु परिवर्तन के अनुरूप स्वयं को सक्षम बनाने का होता है। गुड़ी पड़वा को सूर्योदय के पूर्व उठना, नदी झरना आदि बहते हुये जल स्रोत पर जाना, स्नान करके ऊगते सूर्य को अर्ध्य देना, घर आकर नीम की कौपलों को पीसकर उसकी गोलियाँ बनाना और खाना। यह आरोग्य केलिये सर्वोत्तम उपाय है। ऐसी गोलियाँ पालतू पशुओं को भी दी जातीं हैं। घर के बाहर भगवा रंग का एक छोटा ध्वज फहराया जाता है। यह माना जाता है कि सृष्टि के आरंभ केलिये जब अंधकार को चीरकर प्रकाश की पहली किरण उत्पन्न हुई वह पहली प्रकाश किरण भगवा रंग की थी। इसे प्रातःकालीन सूर्योदय से पूर्व ऊषाकाल में सूर्य की आभा से समझ सकते हैं। तब सूर्य पर भगवा रंग की ही आभा होती है। उसी के प्रतीक के रूप में गुड़ी पड़वा को भगवा ध्वज फहराया जाता है। गुड़ी का एक अर्थ ध्वज भी होता है।

इसी तिथि से चैत्र नवरात्र आरंभ होते हैं। यह बसंत और ग्रीष्म ऋतु के संगम की अवधि है। ऋतु संगम सदैव मानवीय स्वास्थ्य पर प्रभाव डालता है और अस्वस्थ होने की आशंका उत्पन्न हो जाती है। जिसे आम बोल चाल में मौसमी बीमारी कहते हैं। आयुर्वेद की दृष्टि से नवरात्र के नौ दिन कायाकल्प की अवधि होती है। यदि आयुर्वेद के अनुसार नवरात्र में कायाकल्प नियम का पालन किया जाय तो शरीर में बीमारियों के बचाव केलिये इम्युनिटी बढ़ती है। पहले तीन दिन धीरे धीरे आहार कम करना अथवा फलाहार लेना। चौथे दिन निराहार रहना, फिर फलाहार और धीरे धीरे पूर्ण आहार की ओर बढ़ना। चैत्र शुक्ल पक्ष एकम् से नौ दिन तक किये गये इस नियम से अद्भुत आरोग्य क्षमता उत्पन्न होती है।

संवत्सर नाम और आरंभिक नौ दिनों की दिनचर्या के साथ आरंभ भारतीय काल गणना भी विशिष् है। गैगरियन कैलेण्डर में दिन और दिनांक केवल दो बातों की ही जानकारी मिलती है। जबकि भारतीय युगाब्ध और विक्रम संवत आधारित पंचांग में पांच बातों की गणना की जाती है। इसमें तिथि, वार, नक्षत्र, कर्ण और योग इन पाँच सूचकों की जानकारी होती है। माह के नाम भी व्यक्तियों अथवा घटनाओं के आधार पर नहीं होते, ये नक्षत्रों के नाम के आधार पर होते हैं। जैसे चैत्र मास का आरंभ चित्रा नक्षत्र से होता है इसीलिए चित्रा नक्षत्र के आधार पर मास का नाम भी चैत्र है। विशाखा नक्षत्र से वैशाख माह, ज्येष्ठा नक्षत्र के नाम से ज्येष्ठ माह आदि। सभी बारह माहों के नाम उनके आरंभिक नक्षत्र के नाम पर रखे गये है। माह के दिनों निर्धारण भी नक्षत्र की कालावधि से होता है। इसके लिये कुछ सूत्र हैं। उनके आकलन से ही मौसम के परिवर्तन और ग्रहों की स्थिति का प्राणियों के जीवन पर प्रभाव का सटीक आकलन हो सकता है।

संवत्सर की अवधि का निर्धारण

भारतीय काल गणना के लिये तैयार किये जाने वाले संवत्सर में माह, नक्षत्र एवं तिथियों का निर्धारण समान नहीं होता। इसमें कुछ घंटों या पलों का अंतर हो सकता है। अवधि का यह निर्धारण में भी अंतरिक्ष में ग्रहों की गति के आधार पर हुआ है। इसीलिए अंतर आता है। पृथ्वी अपनी धुरी पर 1600 किलो मीटर प्रति घंटे की गति से घूमती है उसे एक पूरा चक्कर लगाने में चौबीस घंटे लगते हैं। इसे अहोरात्र कहते हैं। इसका एक भाग एक घंटे का होता है। पंचाग की भाषा में इसे होरा कहते हैं। होरा को यदि रोमन में लिखेंगे HOURA स्पेलिंग बनेगी इसमें से A को हटाकर अंग्रेजी में HOUR यनि आवर कहा गया। यूरोप में यह संबोधन भी एक घंटे के लिये है। भारत में पंचांग यूरोप के कैलेण्डर से सैकड़ों साल पहले हो गया था इसलिये यह अनुमान कठिन नहीं है कि एक घंटे केलिये ऑवर शब्द भारत से गया है। यूरोपीय कैलेण्डर में पहले केवल दस माह होते थे। दिनों की संख्या भी नियमित नहीं थी।

भारतीय पंचांग में पृथ्वी और सूर्य की गति के आधार पर माह के दिनों की गणना हुई है। पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमते हुये सूर्य की परिक्रमा 27 दिन और तीन घंटे में पूरी करती है। इसलिये यह अवधि एक माह की पूर्णता मानी गयी। लेकिन पंचांग में माह के दिनों की अवधि का निर्धारण केवल पृथ्वी की गति की पूर्णता से नहीं होता। इसमें अन्य ग्रहों की गति को भी समाहित रहती है इसलिये वर्ष में 365 दिनों से थोड़ा अधिक समय लगता है।

कुल मिलाकर भारतीय नववर्ष हजारों हजार वर्ष पूर्व का अद्भुत वैज्ञानिक अनुसंधान का निष्कर्ष है। संवत्सर नाम यजुर्वेद में भी मिलता है। जिसका संकेत है कि भारत में वैदिक काल से ही वैज्ञानिक अनुसंधान के अनुसार तिथियों और परंपराओं का निर्धारण आरंभ हो गया था। नववर्ष की शुरुआत आधीरात के अंधकार में नहीं होती अपितु ऊगते सूरज की पहली किरण के साथ होती है। जीवन के सुख और संकल्पना का आधार ऊगता सूरज होता है। नई ऋतु का आरंभ होता है। चैत्र शुक्ल पक्ष की एकम् बसंत और ग्रीष्म ऋतु का संगम भी है। ऋतु परिवर्तन प्राणी देह पर प्रभाव डालता है। इसलिये ऋतु संगम पर स्वास्थ्य रहने के लिये आरोग्य की साधना भी आवश्यक है। इसीलिए भारतीय परंपराओं नव संवत्सर के पहले दिन को सकारात्मक संकल्पना के साथ जोड़ा गया है।

नववर्ष के संकल्पों को पूरा करने का दिव्य अवसर है गुड़ी पड़वा

प्रवीण कक्कड़

गुड़ी पड़वा का पावन पर्व न केवल हिंदू नववर्ष की शुरुआत है, बल्कि यह एक नए जीवन का संदेश भी लेकर आता है। यह वह समय है जब प्रकृति नवपल्लवित होती है, चारों ओर नवजीवन का संचार होता है। ठीक इसी तरह, यह हमारे लिए भी नए लक्ष्यों, नए सपनों और नए संकल्पों को साकार करने का सर्वोत्तम समय है।

चैत्र नवरात्रि मां दुर्गा के नौ रूपों की उपासना का पर्व है, जो हमें आंतरिक शक्ति, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का संदेश देती है। यह नवरात्रि रामनवमी के साथ समाप्त होती है। चैत्र नवरात्रि का धार्मिक महत्व अत्यंत गहरा है। नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों–शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। ये नौ देवियां हमें जीवन के नौ गुण सिखाती हैं–संयम, तप, साहस, शांति, समृद्धि, प्रेम, न्याय, शक्ति और सिद्धि।

ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व की गहराई

यह सिर्फ एक नया साल नहीं, बल्कि हमारी गौरवशाली विरासत का प्रतीक है। माना जाता है कि इसी पवित्र तिथि पर ब्रह्माजी ने इस अद्भुत सृष्टि की रचना की थी, इसलिए यह नए आरंभ और सृजन का पावन दिन है। इस दिन भगवान विष्णु की विशेष पूजा की जाती है, और कुछ स्थानों पर उनके मत्स्य अवतार का स्मरण किया जाता है। इसी दिन, पराक्रमी राजा विक्रमादित्य ने शकों को पराजित कर न्याय और धर्म की स्थापना की थी, और विक्रम संवत का शुभारंभ हुआ, जो हमारी काल गणना का आधार है। कुछ क्षेत्रों में यह शालिवाहन शक संवत की शुरुआत का भी स्मरण कराता है। महाराष्ट्र में तो यह दिन छत्रपति शिवाजी महाराज की विजय और मराठा साम्राज्य के गौरव का प्रतीक है, जहाँ घरों पर भगवा ध्वज फहराकर अपनी जीत का उत्सव मनाया जाता है। यह दिन इतना शुभ और मंगलकारी माना जाता है कि लोग इस दिन नए व्यापार शुरू करते हैं, नए घरों में प्रवेश करते हैं, और अपने जीवन के महत्वपूर्ण कार्यों का शुभारंभ करते हैं।

नए साल में अपने संकल्पों को कैसे पूरा करें

1. स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करें

सफलता का पहला चरण है–एक स्पष्ट लक्ष्य। नववर्ष के पहले दिन ही यह तय करें कि इस साल आप क्या हासिल करना चाहते हैं। चाहे वह स्वास्थ्य, करियर, शिक्षा या आध्यात्मिक विकास से जुड़ा हो, अपने उद्देश्य को लिखें और उसे दृढ़ता से याद रखें।

2. छोटे-छोटे कदमों से शुरुआत करें

बड़े लक्ष्य को छोटे-छोटे टुकड़ों में बांट लें। रोजाना एक छोटा काम करें जो आपको आपके मुख्य उद्देश्य के करीब ले जाए। जैसे–अगर आपका लक्ष्य स्वस्थ रहना है, तो प्रतिदिन 30 मिनट व्यायाम करने का संकल्प लें।

3. अनुशासन और नियमितता बनाए रखें

मां दुर्गा की तपस्या हमें अनुशासन का महत्व सिखाती है। सफलता के लिए नियमित प्रयास जरूरी है। एक बार संकल्प लेने के बाद, उस पर अडिग रहें।

4. सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास

नकारात्मक विचारों को दूर रखें। रामायण से सीखें कि भगवान राम ने कभी हार नहीं मानी, चाहे परिस्थितियां कितनी भी विषम क्यों न रही हों। आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी है।

5. प्रतिदिन प्रार्थना और ध्यान

नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन कुछ समय ध्यान और प्रार्थना में बिताएं। यह आपको आंतरिक शक्ति और मानसिक शांति प्रदान करेगा।

नवरात्रि- 9 दिन, 9 संकल्प

- **अनुशासन बढ़ाएं**
- **स्वाध्याय करें**
- **आत्मविश्वास बढ़ाएं**
- **स्वास्थ्य का ध्यान रखें**
- **परिवार के साथ समय बिताएं**
- **धैर्य बढ़ाएं**
- **आत्मसुधार करें**
- **कृतज्ञता व्यक्त करें**
- **नई उम्मीद, नई जीत**

चैत्र नवरात्रि हमें यह संदेश देती है कि हर अंधकार के बाद एक नया प्रकाश होता है, हर संघर्ष के बाद एक नई विजय होती है। इस नववर्ष में, अपने संकल्पों को दृढ़ता से पकड़ें और उन्हें पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करें। मां दुर्गा की कृपा और भगवान राम का आशीर्वाद आपके साथ हो।

जीत उसी की होती है, जो हार मानने से इनकार कर देता है। इस नववर्ष में, आपका हर लक्ष्य पूरा हो, हर मनोकामना सिद्ध हो–यही शुभकामना!

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail-com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakashĐin

नव संवत्सर सभी के जीवन में सुख-समृद्धि और आनंद का भाव लाए: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वृहद मराठी समाज के साथ मनाई गुड़ी पड़वा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय संस्कृति के अंतर्गत पर्व और त्योहारों का निर्धारण मंगल तिथियां के आधार पर होता है। खगोलीय गतिविधियों की दृष्टि से गुड़ी पड़वा अर्थात प्रतिपदा, वर्ष की पहली मंगल तिथि है। इसी आधार पर होली, दीपावली जैसे त्योहारों की तिथियों का निर्धारण होता है। इस मंगल तिथि का अभिवादन कहीं चेटीचंड, कहीं वर्ष प्रतिपदा और कहीं गुड़ी पड़वा सहित अन्य अनेक नाम से किया जाता है। यह प्राचीन सनातन संस्कृति की अनुपम परंपरा है, इसी तिथि पर चंहुओर खुशियों, समृद्धि और हर्षोल्लास का वातावरण होता है। गुड़ी पड़वा पर घर-घर स्थापित होने वाला कलश हमारी पवित्र आत्मा को अभिव्यक्त करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समृद्धि और विकास का नव संवत्सर सभी के जीवन में सुख- समृद्धि और आनंद का भाव लाए, ईश्वर से यही कामना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, प्रदेश के वृहद मराठी समाज द्वारा गुड़ी पड़वा के संदर्भ में मुख्यमंत्री निवास के सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबांधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का समाज बंधुओं ने मंत्रोच्चार के बीच तिलक कर स्वागत किया और अंगवस्त्र एवं श्रीफल भेंट कर उनका अभिवादन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को मराठी साहित्य अकादमी, श्री संत सेवा संघ पुणे, पिपलानी गणेश मंडल भोपाल और कोलार महाराष्ट्र मंडल भोपाल की ओर से परम्परागत गुड़ी भेंट की गई। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने मध्यप्रदेश मराठी साहित्य संघ, भोपाल द्वारा प्रकाशित पत्रिका भोजपत्र का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में संस्कृत उत्कर्ष का महायज्ञ चल रहा है। यह सनातन, साहित्यिक, सांस्कृतिक पहलुओं के साथ ही सभी पर्व और त्योहारों के उत्कर्ष का अवसर है। वसुदेव कुटुंबकम का भाव सबको साथ लेकर चलने और सब के प्रति सद्भाव रखने का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति के सभी त्योहारों को समाज और सरकार मिलकर पूर्ण आनंद और उल्लास के साथ मनाएं इस दिशा में सरकार निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विक्रम उत्सव के माध्यम से सम्राट विक्रमादित्य के जीवन के विभिन्न पहलुओं को जन सामान्य के सामने लाने का प्रयास किया जा रहा है। सम्राट विक्रमादित्य और शिवाजी महाराज जैसे महापुरुषों के प्रसंग से जीवन प्रबंधन और आत्म गौरव के अनेक सूत्र प्राप्त होते हैं । मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने त्योहार और पर्व का अंतर बताते हुए कहा कि जन्माष्टमी, राम नवमी, नवरात्रि, एकादशी, द्वादशी आदि जिन अवसरों पर उपवास रखा जाए वह पर्व हैं। होली, दीवाली जैसे मंगल कामनाओं और आनंद के साथ मनाए जाने वाले अवसर त्योहार हैं। त्योहारों की बधाई देना उचित है बाकी अवसरों पर मंगल कामनाओं का आदान-प्रदान किया जाना चाहिए। इसी प्रकार परीक्षा तथा अन्य ऐसे कार्यों के लिए जाने वाले व्यक्ति को शुभकामनाएं देना, उनके प्रति शुभेच्छा प्रकट करना उचित रहता है। भारतीय संस्कृति की समृद्ध शब्द संपदा के परिणाम स्वरुप ही हर अवसर पर भावनात्मक अभिव्यक्ति के लिए पृथक शब्द हैं। जबकि जहां शब्द भंडार सीमित हैं, वहां विभिन्न भावों की अभिव्यक्ति के लिए समान शब्दों का ही उपयोग होता है। कार्यक्रम में जबलपुर के पूर्व महापौर तथा निर्देशक मराठी साहित्य अकादमी श्री संतोष गोडबोले, डॉ. अभिजीत देशमुख, श्रीमती नीलिमा देशपांडे सहित रीवा, इंदौर, भोपाल, मंडल, जबलपुर और विदिशा से पधारे समाज बंधु उपस्थित थे।

विजय देवरकोंडा, यामी और अमित साध ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ साझा किए विकसित भारत का विजन

नई दिल्ली। साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में वह नई दिल्ली में एक टीवी चैनल के विशेष कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां उनके साथ बॉलीवुड एक्ट्रेस यामी गौतम और अभिनेता अमित साध भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम के दौरान विजय देवरकोंडा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने का अवसर भी मिला। इस खास मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इस खास आयोजन के दौरान पीएम मोदी ने बीते एक दशक में भारत के आत्मनिर्भर बनने की यात्रा पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत का सपना केवल सामूहिक प्रयास से ही साकार किया जा सकता है। पीएम मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन, आयुष्मान भारत योजना और 'हर घर जल' जैसी योजनाओं की सफलता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, एक दशक पहले, गरीबों को महंगी चिकित्सा देखभाल की समस्या से जूझना पड़ता था, लेकिन आयुष्मान भारत योजना ने इसका

समाधान किया है। इसी तरह, स्वच्छ भारत मिशन ने देशभर में स्वच्छता की दिशा में क्रांतिकारी बदलाव लाया है।

करदाताओं के सम्मान और बैंकिंग सुधारों पर जोर: प्रधानमंत्री ने कर प्रणाली में सुधारों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सरकार करदाताओं के पैसे का ईमानदारी से उपयोग करती है। उन्होंने बताया कि बीते वर्षों में कर प्रणाली को और अधिक करदाता-अनुकूल बनाया गया है। इसके अलावा, बैंकिंग क्षेत्र में हुए सुधारों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में अब डिजिटल बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं तेजी से बढ़ रही हैं, जिससे आम जनता को अधिक सहूलियत मिल रही है।

इस कार्यक्रम में विजय देवरकोंडा हरे रंग की बंदगला शेरवानी में नजर आए, जबकि अमित साध ने खाकी ब्लेजर और पैंट पहना। यामी गौतम बैंगनी रंग की ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। इस खास इवेंट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिसमें विजय देवरकोंडा, यामी गौतम और अमित साध को पीएम मोदी के साथ बातचीत करते देखा जा सकता है। विजय देवरकोंडा और पीएम मोदी की मुलाकात को लेकर फैंस भी खासे उत्साहित हैं। उनकी तस्वीरों पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, विजय देवरकोंडा की ये मुलाकात उनके करियर के लिए एक नया आयाम खोल सकती है। वहीं, कई प्रशंसकों ने इस पल को ऐतिहासिक बताया। कार्यक्रम में हुई इस मुलाकात के बाद विजय देवरकोंडा ने कहा कि यह उनके लिए गर्व का क्षण था। अब देखना होगा कि यह मुलाकात उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स पर क्या असर डालती है।

उप मुख्यमंत्री ने ग्राम पंचायत लोही के विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि जनकल्याण और विकास के कार्य प्राथमिकता से कराये जा रहे हैं। रीवा को पहले लोग पिछड़ा कहते थे अब इसके विकास की चर्चा प्रदेश एवं देश में हो रही है। शुक्ल ने ग्राम पंचायत लोही में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने सामुदायिक भवन निर्माण, आंगनवाड़ी भवन, हाट बाजार निर्माण सहित विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन किया। शुक्ल ने एक करोड़ 88 हजार रूपये की लागत से जोरी वाया भड़री तालाब रोड़ का लोकार्पण किया। उन्होंने माध्यमिक विद्यालय भवन सहित अन्य निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। ग्राम पंचायत लोही में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं, किसानों व युवाओं के कल्याण के लिए योजनाएं संचालित की जा रही हैं। अधोसंरचना विकास के कार्य प्राथमिकता से कराये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गड्डी रोड से नहर के किनारे गुढ़ रोड को मिलाने वाले मार्ग को 7 करोड़ रूपये की लागत से बनाया जायेगा। जो गुढ़ रोड के लिए इससे संबद्ध ग्रामों के लिए बाईपास का काम करेगा। श्री शुक्ल ने कहा कि लोही लक्ष्मणपुर मार्ग को खेमसागर मंदिर तक चौड़ा बनाया जायेगा तथा शेष मार्ग को पर्याप्त चौड़ाई के बनाने के निर्देश उन्होंने निर्माण विभाग को दिये। श्री शुक्ल ने ग्राम पंचायत लोही के सरपंच द्वारा की गयी मांगों को प्राथमिकता से पूरे किये जाने हेतु आश्वस्त किया। उप मुख्यमंत्री जल संचय, जनभागीदारी, जनआन्दोलन कार्यक्रम में भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि रीवा में बोर के माध्यम से संचयित जल को जमीन के अंदर पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है ताकि भूजल स्तर बना रहे। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा 30 मार्च से आरंभ हो रहे जल गंगा संवर्धन अभियान में सहभागी बनने का ग्रामवासियों से आहवान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल ने रीवा के विकास के लिए उप मुख्यमंत्री जी को साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं के सम्मान के लिए कार्य कर रही है। इससे पूर्व सरपंच नीलेश तिवारी ने विभिन्न मांगों की ओर उप मुख्यमंत्री जी का ध्यान आकृष्ट किया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता पीडब्ल्यूडी संजय खाण्डे ने लोकार्पित सड़क का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रेमप्रकाश पाण्डेय, भूपेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में लोही तथा आसपास के ग्रामों के ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

अध्ययनरत विद्यार्थियों को दिलाएं बेहतर चिकित्सकीय शिक्षा: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

बस स्टैंड से मेडिकल कॉलेज तक के मार्ग का तेजी से कराएं चौड़ीकरण

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल की अध्यक्षता में बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय शहडोल की सामान्य सभा की बैठक हुई। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्देश दिए हैं कि बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय शहडोल में अध्यनरत विद्यार्थियों को बेहतर से बेहतर चिकित्सकीय शिक्षा दिलाना सुनिश्चित करें, जिससे विद्यार्थी बेहतर चिकित्सकीय शिक्षा प्राप्त कर अच्छे चिकित्सक बन सके।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने शहडोल संभाग के शहडोल,अनूपपुर एवं उमरिया जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों से नरोगी काया अभियान की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि गर्भवती महिलाओं का शत प्रतिशत पंजीयन कराया जाए तथा समय-समय पर महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच की जाए। उन्होंने कहा कि सीएमएचओ एवं बीएमओ इस कार्य को प्राथमिकता से लें तथा गर्भवती महिलाओं की समय-समय पर जांच करने हेतु मैदानी अधिकारी एवं कर्मचारियों को निर्देशित करें तथा वरिष्ठ अधिकारी मॉनिटरिंग भी करें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि संभागीय मुख्यालय शहडोल के बस स्टैंड से बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय तक के मार्ग का चौड़ीकरण का कार्य तेजी पूर्ण कराए जिससे आने जाने वाले वाहन सुगमता के साथ और मरीज समय पर मेडिकल कॉलेज तक पहुंचकर अपना इलाज करा सकें। उप मुख्यमंत्री ने मरीजों को मेडिकल कॉलेज में दी जा रही सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली तथा सुचारू सेवा प्रदाय के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने महाविद्यालय में आयुष्मान भारत योजना, जननी सुरक्षा योजना, परिवार कल्याण कार्यक्रम एवं प्रसूति सहायता योजना की जानकारी ली तथा निर्देश दिए कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित प्रत्येक योजना का लाभ मरीजों को दिलाना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही उप मुख्यमंत्री ने चिकित्सा महाविद्यालय में इकोकार्डियोग्राफी, जनरल सर्जरी, टेली मेडिसिन, रेडियो डायग्नोसिस, ब्लड बैंक सहित अन्य डिपार्टमेंट की भी जानकारी ली।

विधानसभा अध्यक्ष ने स्वास्थ्य शिविर का किया अवलोकन

भोपाल। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने मुरैना जिला मुख्यालय स्थित पुलिस परेड ग्राउण्ड पर स्वास्थ्य कैम्प की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। शिविर में देश एवं विदेश से आये बड़े चिकित्सकों द्वारा गंभीर बीमारियों का इलाज किया जा रहा है। विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर एवं मुरैना जिला प्रभारी एवं राजस्व मंत्री वर्मा ने शिविर में लगाये सभी विभागों के ओपीडी जिनमें जनरल, मेडीसन, ऑर्थोपैडिक्स, पीडियाट्रिक, ईएनटी, गायनकलॉजी, सर्जीकल, ऑपथामॉलोजी, डेंटल, यूरोलॉजी, सायकिएट्री, ऑनकोलॉजी, डरमैटलॉजी, पलमुनोरी, हिमाटोलॉजी, पेन मेडीसन, कार्डियोग्राफी, एनसीडी क्लीनिक आदि का अवलोकन किया।इस अवसर पर सांसदविवेक तन्खा, कमलेश कुशवाह, समाजसेवी श्री योगेशपाल गुप्ता, कलेक्टर अंकित अस्थाना, सीईओ जिला पंचायत कमलेश भार्गव सहित रोटरी के पदाधिकारी भूपेन्द्र जैन सहित अन्य पदाधिकारी, चिकित्सक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

दावा-आपत्ति करने की तिथि बढ़ाई

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि किसानों के हित में (डिजिटल फसल सर्वेक्षण) गिरदावरी में संशोधन एवं दावा-आपत्ति करने की अवधि 15 अप्रैल तक बढ़ा दी गयी है। इससे किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूँ की बिक्री के लिये कराये गये पंजीयन की जानकारी और गिरदावरी की जानकारी में आ रहे अंतर में सुधार करवा सकेंगे। गौरतलब है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की बिक्री के लिये किसानों द्वारा कराये गये पंजीयन में दी गयी जानकारी और पटवारी द्वारा की गई गिरदावरी में विभिन्नता होने से आयुक्त खाद्य श्री कर्मवीर शर्मा ने आयुक्त अभिलेख को गिरदावरी में संशोधन/दावा आपत्ति करने की अवधि 15 अप्रेल तक बढ़ाये जाने का आग्रह किया था।

अपना दुख छोड़कर दूसरों के सुख की सेवा करने वाले बिरले ही होते है: शिवाजी पाटिल

मंदार एंड नो मोर फाउंडेशन संकल्प कार्यक्रम संपन्न

भोपाल। को करियर कॉलेज में आयोजित मंदार एंड नो मोर फाउंडेशन संकल्प दिवस कार्यक्रम में गणमान्य अतिथियों और प्रतिभागियों ने डूबने की समस्या की गंभीरता को रेखांकित किया।

मुख्य अतिथि लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री ने एमएएनएम टीम के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि अपने दुख को छोड़कर दूसरो के सुख की सेवा करने वाले बिरले होते हे मंदार एंड नो मोर फाउंडेशन की सराहना करते हुवे कहा कि सरकार और समाज को मिलकर डूबने से

मरने इस चुनौती का समाधान खोजना होगा। विशिष्ट अतिथि प्रो. अमिताभ सक्सेना ने सुरक्षा व्यवहार को जीवन में आत्मसात करने और दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखने पर जोर दिया। मेज़बान संस्था करियर कॉलेज के अध्यक्ष मनीष राजोरिया ने घोषणा की कि कॉलेज के छात्र व संकाय एम-ए-एन-एम के साथ नियमित कार्यक्रम करेंगे। साथ ही, उनके अत्याधुनिक स्टूडियो को उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि सुरक्षा से संबंधित ऑडियो-वीडियो कंटेंट तैयार किया जा सके। पूर्व डीजीपी एस. के. राउत ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सुरक्षा को गंभीरता से लेना सभी की जिम्मेदारी है। फाउण्डेशन के निदेशक विश?वास घुषे ने सभी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि एक दशक के अथक प्रयासों के बाद अब अगला दशक युवाओं और नए संगठनों के साथ संस्था को और विस्तार देने वाला होगा। डॉ. अभिजीत देशमुख ने घोषणा की कि वे संस्था के साथ मिलकर मध्य प्रदेश में 5000 से अधिक व्यक्तियों को फर्स्ट एड और सीपीआरेकार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के 250 से अधिक प्रतिभागियों, विशेषकर छात्रों ने हिस्सा लिया और डूबने की रोकथाम के लिए संकल्प लिया। इस अवसर पर रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल के अध्यक्ष मनोज झा, बी.एम.ए. के जी. के. छिब्बर, कंपनी सेक्रेटरी पी के राय, वरिष्ठ एडवोकेट विलास बुचके सहित भोपाल की कई प्रमुख हस्तियां भी उपस्थित रहीं।

यूरेशियन वल्चर को रायसेन वन मंडल के सरार बीट में छोड़ा

भोपाल। वन मण्डल रायसेन अंतर्गत शनिवार को एक यूरेशियन वल्चर (गिद्ध की प्रजाति) को हलाली बांध के पास सफलतापूर्वक मुक्त किया गया। इस वल्चर को सतना वन मण्डल से रेस्क्यू कर मुकुंदपुर रेस्क्यू सेंटर और वन विहार में उपचार के लिये लाया गया था। वल्चर के उपचार के बाद स्वस्थ होने पर उसे रिलीज किया गया। प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री राजेश खरे ने बताया कि रायसेन वन मण्डल के सरार बीट में गिद्धों के लिये अनुकूल परिस्थिति, वातावरण और उनकी संख्या को ध्यान में रखते हुए इस स्थान पर वल्चर को छोड़ा गया। उन्होंने बताया कि इसी स्थल पर वल्चर रेस्टोरेंट का निर्माण करने की तैयारी शासन स्तर पर चल रही है। आगामी दिनों में भोपाल स्थित वल्चर ब्रीडिंग सेंटर के 6 वल्चर को भी इसी स्थान पर छोड़ा जायेगा। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख असीम श्रीवास्तव ने कहा कि मवेशियों को इलाज के लिये दी जाने वाली दवाइयाँ, जिन्हें शासन ने प्रतिबंधित किया है और जो गिद्धों के लिये जानलेवा है, के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि डायक्लोफेनेक, निमेसुलाइड, कीटोप्रोफेन और एसेक्लोफेनेक दवाइयाँ जो पशुओं के इलाज के लिये दी जाती थीं, इन दवाइयों को पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया गया है और इनका उपयोग गैर कानूनी भी है। उन्होंने कहा कि गिद्धों की संख्या में जो भारी गिरावट आयी, वह इन्हीं दवाओं के कारण थी। मुख्य वन्य-प्राणी अभिरक्षक श्री शुभरंजन सेन ने बताया कि कर्मचारियों को दवाइयों का एक सैम्पल भी प्रदाय किया है। इन दवाइयों से गिद्धों को कोई नुकसान नहीं होगा।इस अवसर पर मुख्य वन संरक्षक भोपाल, वन मण्डलाधिकारी रायसेन, विदिशा, उप वन मण्डल अधिकारी रायसेन, विदिशा, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ और बीएनएचएस की टीम मौजूद थी।

विश्व संवाद केंद्र में डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म चंबल: सत्य और मिथ्या की स्क्रीनिंग

सांध्य प्रकाश
संवाददाता ● भोपाल

सतपुड़ा चलचित्र समिति के साप्ताहिक फ़िल्म आस्वादन एवं संवाद अनुष्ठान के अंतर्गत कल शनिवार को विश्व संवाद केंद्र, भोपाल में युवा निर्देशक आशुतोष भार्गव की डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म 'चंबल- सत्य और मिथ्या' की स्क्रीनिंग हुई। इस फ़िल्म को हाल ही में ग्वालियर शॉर्ट फ़िल्म फेस्टिवल में स्पेशल जूरी अवॉर्ड मिला है। फ़िल्म में चंबल के वास्तविक इतिहास और प्रचलित धारणाओं के अंतर को बखूबी दर्शाया गया है। इस अवसर पर वरिष्ठ फ़िल्म समीक्षक विनोद नागर ने फ़िल्म के निर्देशक आशुतोष भार्गव से फ़िल्म निर्माण के विविध पहलुओं पर दिलचस्प बातचीत की। कार्यक्रम में श्री लोकेन्द्र सिंह, श्री मुकेश अवस्थी, श्री सुरेंद्र ठाकरे, कुबेर सिंह, मनोहर मालवीय के साथ फ़िल्म विधा के छात्र और दर्शक उपस्थित रहे। फ़िल्म आस्वादन एवं संवाद श्रृंखला की इस 111 वीं कड़ी में राजगढ़ जिले की सामाजिक कुरीति पर बनी सौरभ कुमार निर्देशित डॉक्यूमेंट्री फिल्म %झगड़ा नातरा भी प्रदर्शित की गई। यह फ़िल्म समाज में व्याप्त कुरीतियों और उनके प्रभाव को उजागर करती है।

आयोजन में फिल्म रसिकों सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया और फ़िल्मों के सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर पर गहन चर्चा की। निश्चित ही इस तरह के आयोजन सिनेमा को सिर्फ मनोरंजन के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक जागरूकता के माध्यम के रूप में प्रस्तुत करने का कार्य भी करते हैं।

मुरलीधर कृपा विद्या मंदिर सनातन के ब्रांड एंबेसडर तैयार कर रहा है: तिवारी

मुरलीधर कृपा विद्या मंदिर का वार्षिक उत्सव 2025 संपन्न

मक्सी। शाजापुर जिले के मक्सी नगर में स्थित मुरलीधर कृपा विद्या मंदिर का वार्षिकोत्सव 2025 शानदार तरीके से संपन्न हुआ । नन्हें मुन्ने बच्चों ने गीत संगीत और नृत्य की प्रस्तुति देकर अतिथियों और पालकों का मन मोह लिया ,इस अवसर पर प्रतिभाशाली बच्चे पुरस्कृत किए गए । अतिथियों ने अपने उद्बोधन में बच्चों को आशीर्वचन कहे। नागपुर से पधारे प्रख्यात वैज्ञानिक डॉक्टर रितेश विजय ने कहा कि देश को ज्ञान और विज्ञान दोनों की धाराएं महान बनाती है और हमें प्रसन्नता है की आने वाला समय भारत के वैज्ञानिकों का हैं। राजधानी भोपाल से पधारे वरिष्ठ पत्रकार एवं मध्यप्रदेश प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ.नवीन आनंद जोशी ने कहा कि संस्कार और संस्कृति ने भारत देश को दुनिया में अद्वितीय बना रखा है, आज हमें अपने भारत पर गर्व इसलिए होता है कि यहां पीढ़ी दर पीढ़ी संस्कार जीवित हैं और संस्कार देने का काम मुरलीधर कृपा विद्या मंदिर कर रहा है। मुंबई से आए दैनिक सामना के संपादक अनिल आर तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह विद्या मंदिर केवल विद्यार्थी तैयार नहीं कर रहा है, बल्कि सनातन के ब्रांड एंबेसडर बना रहा है, जो देश में संस्कारों का प्रकाश

फैलाएंगे।वार्षिक उत्सव संतृति समागम 2025 में सर्वप्रथम विद्यालय की छात्राओं द्वारा कार्यक्रम में पधारे समस्त अतिथियों एवं अभिभावकों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर मुख्य अतिथि डॉ रितेश विजय (सीनियर प्रिंसिपल साइंटिस्ट एंड हेड) नागपुर, डॉ नवीन आनंद जोशी (वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया संरक्षक) भोपाल,अनिल आर. तिवारी(रेसिडेंट संपादक दोपहर का सामना ,मुंबई) द्वारा किया गया। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमति नेहा विजयवर्गीय द्वारा विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। विद्यार्थियों द्वारा भारत देश के सभी राज्यों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। इसके पश्चात् शैक्षणिक एवं सह- पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं एवं शिक्षकों को मुख्य अतिथियों द्वारा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन महावीर प्रसाद मानसिंगका ,मुख्य प्रबंधक दिनेश सिंह यादव , सीनियर प्रबंधक अकाउंट्स दिलीप भावसार ,प्राचार्या नेहा विजयवर्गीय , संदीप देथलिया, गोपाल बारोट ,ईशा यादव,नीतू दिवाकर एवं समस्त मुरलीधर कृपा विद्या मंदिर स्टाफ सहित अभिभावक और छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आभार मुख्य प्रबंधक दिनेश सिंह यादव द्वारा किया गया।

परमहंस संत हिरदाराम साहिब जी के आशीर्वाद एवं परम श्रद्धेय सिद्ध भाऊ जी की प्रेरणा से संचालित

नव युवक सभा

संत हिरदाराम नगर, भोपाल

चेतीचाँद पर्व की की हार्दिक शुभकामनाएं

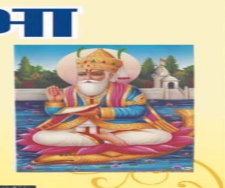

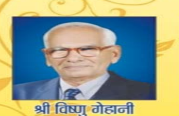
श्री विष्णु गेहानी
संरक्षक

श्री वासदेव वाधवानी
अध्यक्ष

श्री महेश दयारामानी
उपाध्यक्ष

श्री राजेश हिंगोरानी
महासचिव

श्री सुरेश राजपाल
सचिव

श्री दिनेश वाधवानी
सह-सचिव

श्री धर्मप्रकाश मोटवानी
कोषाध्यक्ष

श्री कन्हैयालाल रामनानी
ऑडिटर

श्री पुरुषोत्तम टिलवानी
संचालक, टीन ट्वाल कॉलेज

SADHU VASWANI AUTONOMOUS COLLEGE

(Govt. Aided College)
Accrediation by NAAC - Grade 'B+'
Recognized by Higher Education, Govt. of M.P. & UGC New Delhi

चेट्रीचंडु
नव वर्ष एवं गुड़ीपड़वा की
हार्दिक शुभकामनाएं

Dayal Das Detani
(President)

Suresh Daryani
(Vice President)

Rajendra Manwani
(General Secretary)

Ashok Adwani
(Secretary)

Dinesh Wadhwani
(Treasurer)

Hemant Aswani
(Auditor)

Indar Adwani
(Sports Secretory)

One Tree Hills, Sant Hirdaram Nagar, Bhopal - 462030, Tel.: 0755-2641488, 2640749 I E-mail: svcollege@rediffmail.com

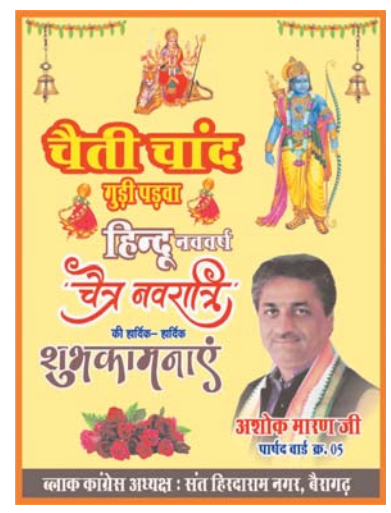

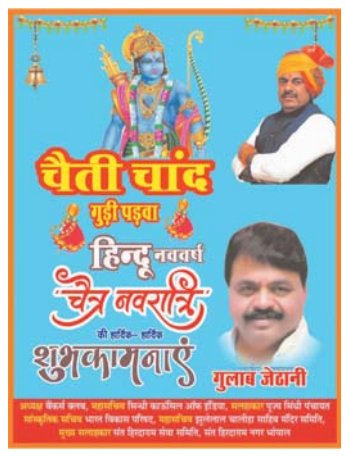

जिले में सभी निकायों और ग्राम पंचायतों में शुरू होगा जल गंगा संवर्धन अभियान

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। प्रदेश के साथ ही रायसेन जिले में भी सभी निकायों और ग्राम पंचायतों में वर्षा जल के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य के साथ 30 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा द्वारा जिले में अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रत्येक स्तर पर दल गठित किए गए हैं तथा अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है। कलेक्टर विश्वकर्मा द्वारा नागरिकों से भी अपील की गई है कि जल के संरक्षण और संवर्धन हेतु चलाए जा रहे इस अभियान में सहभागी बनें।

जिले में 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संचय की विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाएगी। जिसमें जल स्त्रोतों का पुनर्जीवन, नवीन जल संरचनाओं का निर्माण तथा पूर्व से निर्मित संरचनाओं की साफ-सफाई और जीर्णोद्धार, जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम, स्कूलों में बच्चों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना, जल स्त्रोतों और जल संरचनाओं के आसपास फलदार पौधों के रोपण और जैविक खेती को प्रोत्साहित करने सहित अन्य गतिविधियां की जाएगीं। अभियान के तहत जिले के सभी जनपद पंचायतों में जल चौपाल का भी आयोजन किया जाएगा। स्कूलों में जल संरक्षण और संवर्धन विषय पर निबंध लेखन, पेन्टिंग सहित अन्य गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। बच्चों को जल संरक्षण का महत्व बताते हुए जल का अपव्यय रोकने जागरूक किया जाएगा। साथ ही बच्चों द्वारा अपने माता-पिता को जल संरक्षण और संवर्धन हेतु प्रेरित करने चिठ्ठी भी लिखी जाएगी।

इतवारी-छिंदवाड़ा के मध्य रेल परिवहन हेतु रेल मार्ग प्रारंभ

छिंदवाड़ा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल के इतवारी-छिंदवाड़ा रेल मार्ग के भंडारकुंड- भिमलगुंडी खंड में महत्वपूर्ण निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। आज 3×18.3 मीटर कम्पोजिट स्टील गर्डर से निर्मित पुल नंबर 94 को चालू कर दिया गया है। इस पुल का निर्माण लगभग 40 मीटर गहरे पाइल फाउंडेशन पर किया गया है, जो रिकॉर्ड समय में मात्र छह महीने से भी कम अवधि में पूरा हुआ है। इस महत्वपूर्ण परियोजना पर लगभग 29 करोड़ रुपये की लागत आई है। यह पुल पहाड़ी धंसने और हिलने के कारण प्रभावित हो चुके ब्लॉक सेक्शन के पुनर्निर्माण का हिस्सा था, जिसे गेज परिवर्तन के दौरान 1×3×5.5 मीटर के छोटे पुल के साथ विकसित किया गया था। अब इस नए पुल के चालू होने से इस मार्ग पर सामान्य यात्री और मालगाड़ी सेवाएं बहाल हो जाएंगी। इतवारी से छिंदवाड़ा के मध्य रेल कनेक्टिविटी पुनः स्थापित हो जाएगी और यात्री गाड़ियों के संचालन को 1 अप्रैल से बहाल करने का प्रस्ताव है, जिससे इस क्षेत्र के यात्रियों को सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी।

पुलिस लाइन छिंदवाड़ा में बलवा परेड का आयोजन

छिंदवाड़ा। आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस लाइन छिंदवाड़ा में पुलिस द्वारा बलवा परेड का आयोजन किया गया। यह परेड पुलिस अधीक्षक अजय पांडे एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता के नेतृत्व में संपन्न हुई। इस आयोजन में डीएसपी रामेश्वर चौबे, एसडीओपी जितेंद्र जाट, ष्टस्क्कअजय राणा, रक्षित निरीक्षक आशीष तिवारी थाना कोतवाली से उमेश गोलानी, कुंडीपुरा से मनोज बघेल, अमरवाड़ा, मोहखेड़, परासिया, पुलिस लाइन से सूबेदार लोहित, एवं अन्य थाना के थाना प्रभारी भी सम्मिलित रहे। इस अवसर पर पुलिस बल की सतर्कता और दक्षता को परखने के लिए मॉक ड्रिल एवं बलवा नियंत्रण संबंधी विभिन्न अभ्यास किए गए। परेड में उपस्थित अधिकारियों ने पुलिस बल को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्क रहने की अपील की। बलवा परेड के दौरान जवानों को अश्रु गैस सेल चलाने, उपद्रवियों से निपटने की रणनीति एवं बलवा बचाव उपकरण पहनकर आत्मरक्षा करने का प्रशिक्षण दिया गया।

जिला माली समाज विकास परिषद की बैठक आज

छिंदवाडा । जिला माली समाज विकास परिषद के प्रचार मंत्री गणेश कारटे द्वारा बताया गया कि जिला माली समाज अध्यक्ष भाउराव चरपे ने बताया कि आज जिला माली समाज विकास परिषद की कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन आज दिनांक 30.03.2023 दिन रविवार को दोपहर 2 बजे जिला माली समाज भवन बरारीपुरा छिंदवाड़ा में किया गया है । इस बैठक में आगामी 11 अप्रैल को आयोजित महात्मा फुले जयंती एवं भव्य वाहन रैली निकालने हेतु रणनीति बनायी जायेगी एवं सर्व सम्मति से प्रमुख प्रस्ताव पास किये जायेंगे ।

मेहलुआ गांव में टीवीएस क्रेडिट का 'चौपाल' कार्यक्रम

विदिशा। किसानों की सहायता और उनकी कृषि उत्पादकता को बढ़ाने के उद्देश्य से टीवीएस क्रेडिट द्वारा एक विशेष 'चौपाल' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 31 मार्च 2025 को विदिशा जिले के मेहलुआ गांव में सार्थक ट्रैक्टर्स के सहयोग से किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन गांव के सरपंच श्री गोविंद सिंह के मार्गदर्शन में किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य किसानों और उनके परिवारों को स्वास्थ्य और कृषि संबंधी सुविधाएं निःशुल्क प्रदान करना है।इस कार्यक्रम के तहत किसानों को मुफ्त आंखों की जांच की सुविधा दी जाएगी, जिससे वे अपनी दृष्टि संबंधी समस्याओं का समय पर समाधान कर सकें। इसके अलावा, उनके कृषि कार्यों को सुचारू रूप से जारी रखने के लिए निःशुल्क ट्रैक्टर सर्विसिंग की भी व्यवस्था की गई है, जिससे उनके उपकरणों की कार्यक्षमता बनी रहे। इसके साथ ही, पुराने ट्रैक्टर और कृषि उपकरण खरीदने के लिए आसान ऋण सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि किसान अपनी जरूरत के अनुसार संसाधन जुटा सकें और कृषि उत्पादन को बढ़ा सकें।

वीआई ने अशोकनगर में नए कॉल सेंटर के साथ मध्य प्रदेश में परिचालन का विस्तार किया

अशोकनगर। भारत की अग्रणी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया ने मध्य प्रदेश के अशोकनगर में एक नया कॉल सेंटर खोलने की घोषणा की। यह स्थानीय अर्थव्यवस्था में कंपनी द्वारा किया गया एक महत्वपूर्ण निवेश है, जिसके परिणामस्वरूप स्थानीय निवासियों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इसके अतिरिक्त, कॉल सेंटर संचालन की शुरुआत के साथ ही, दूरसंचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने वी फाउंडेशन के वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम ÷जादू गिन्नी का÷ का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य लोगों को आवश्यक धन प्रबंधन कौशल से सशक्त बनाना है।Vi के संपर्क केंद्र भारत भर में कई स्थानों पर संचालित हैं, जिनमें लखनऊ, अहमदाबाद, कोलकाता, चेन्नई और मोहाली शामिल हैं। अशोकनगर में इसका नया 100-सीट केंद्र, विशेष रूप से मध्य प्रदेश सर्कल में अपने उपयोगकर्ताओं के लिए आवश्यक ग्राहक सहायता प्रदान करके परिचालन दक्षता और ग्राहक अनुभव को बढ़ाएगा। केंद्र में परिचालन में इनबाउंड और आउटबाउंड सेवाओं के साथ-साथ बैक-ऑफ़िस गतिविधियाँ भी शामिल होंगी।

महापुरुषों की तपोस्थली अति पावन धरा, सभी धर्मों के आस्था स्थल धार्मिक नगरी हुई तीर्थ क्षेत्र घोषित

विंध्याचल पर्वत पर विराजमान माता का मंदिर सरकार ने किया तीर्थ क्षेत्र घोषित पूरे शहर में धर्मस्य कानून भी लागू हो

बाड़ी। नगरवासियों के लिए यह गौरव की बात है हम उस नगरी में जन्म लिए जो संत महात्माओं की तपोस्थली कहलाती है। अभी तक इस नगरी में कभी कुदृष्टि की छाया भी नहीं पड़ी और सभी लोग अमन चैन से रहते हैं।

प्रकृति की गोद में बसा है शहर

शहर में नगर पंचायत परिषद में 15 वार्डो में आपको धार्मिक स्थलों के दर्शन कराते हैं। वार्ड क्रमांक 15 में विंध्यवासिनी देवी का मनमोहक मंदिर के परिसर में प्रवेश करते ही आपको कुदरत की कारीगरी व मंदिर संचालनकर्ता की मेहनत नजर आयेंगी। मंदिर चढ़ने के लिए सीढ़ियों पर (चैत्र नवरात्रि) ग्रीष्म ऋतु की तेज धूप का नंगे पैरों में अहसास न हो इसके लिए पूरी सीढ़ियों पर कालीन ऊपर धूप से बचाने के लिए नेटजाली जगह जगह पेयजल के नल लगे हैं। मंदिर परिसर के द्वार प्रवेश करते ही दोनों और फलदार पेड़ों वृक्ष की शीतल छाया में मन और शरीर की सारी थकावट खत्म हो जाती। माता जी दर्शन करने के बाद आप जब शहर की और रुख करते हैं तो बाड़ी शहर प्रवेश करती ही नहर के पास सुप्रसिद्ध बालाजी सरकार का मंदिर हैं जिसमें चमत्कार और नवरात्रि दशहरा पर मेला जैसा लगता हैं। बहां के दर्शन पश्चात आपको शटल डेम जो क्षेत्र के किसानों के लिए जीवनदायिनी से बढ़कर हैं इसके पहाड़ी के ऊपर सिद्ध बाबा का मंदिर दूर से नजर आ जायेगा यह मंदिर भी मन को शांति और समृद्धि से परिपूर्ण करता है। उसके बाद मुख्य बांध के दर्शन कीजिए ऐसा लगता हैं हम समुद्र के किनारे खड़े हो।

बारना बांध के पास ही हजरत गुलाब शाह बाबा की दरगाह है, जो धार्मिक सौहार्द की मिसाल है। यहां पर हर वर्ष उर्स भराता है जिसमें आसपास के अंचलों से हजारों लोग आते हैं। उसके बाद भुजी का मंदिर, भूतेश्वर महादेव शनि मंदिर, गौड़ राजा के किले में श्रीजी मंदिर,जैन धर्म का अति प्राचीन बड़े बाबा का अतिशय क्षेत्र, राधा बल्लभ मंदिर फिर शक्ति पीठ के रुप में जगत जननी मां हिंगलाज माता का मंदिर बाड़ी कलां को संतों की तपोस्थली के रुप पहचान दिलाता हैं इस राम जानकी खाकी अखाड़ा मंदिर में आजादी से पहले नवाबी शासनकाल में मंदिर के रख रखाव और खर्च चलाने के लिए लगभग सो एकड़ भूमि दी गई थी, इस मंदिर में संस्कृत विश्वविद्यालय भी संचालित किया जा रहा।

बारना नदी तट पर हनुमानजी का मंदिर और मस्जिद भी शहर के भाईचारे की मजबूती का अहसास करते हैं। बाड़ी खुर्द में सिख धर्म का गुरुद्वारा और थोड़े आगे पंच मुखी हनुमान जी मंदिर। नगर की चारों दिशाओं में संतों की तपोस्थली और देवस्थान होने से नगर आज भी अमन चैन से हैं।

अलविदा के जुमे की नमाज में सैकड़ों लोगों ने अदा की जामा मस्जिद में नमाज

इमाम साहब ने अमन शांति के लिए कराई दुआ

सिरोंज। आज रमज़ान के महीने का आखिरी जुमा था जिसको अलविदा का जुमा कहा जाता हे अलविदा के जुमे की नमाज मे मस्जिदों मे बहुत भीड़ देखने को मिली गांव, शहर सब जगह का आदमी मस्जिदों मे अलविदा के जुमे की नमाज पढ़ने के लिए सुबह से ही आ गए थे सभी लोग जुमे की नमाज से पहले मस्जिद मे आ कर अपनी अपनी नफ़्ल नमाजे पढ़ने मे व्यस्त रहे उसके बाद जुमे की नमाज पड़कर ही बाहर आए

जामा मस्जिद में जुमे की नमाज से पहले मौलवी जाहिद अली नदवी ने बयान करते हुए लोगों को इंसानियत के रास्ते पर चलने की बात कही उन्होंने कहा जैसे हम लोग रमजान मे बुरे कामों से बचते हे अच्छी बाते करते हे नमाज पाबंदी से पढ़ते हे किसी का बुरा करने का नहीं सोचते हे इसे ही हमे रमजान के बाद भी अच्छा इंसान बन कर जिंदगी गुजारना हे जैसे हमारे नबी मोहम्मद साहब ने जिंदगी गुजारने का तरीका हमे बताया हे उनके रास्ते पर चलकर हमारी जिंदगी कामयाब बनेगी मौलवी जाहिद अली नदवी ने जकात और फितरे पर बयान करते हुए बताया कि जिस इंसान पर ज़कात फ़र्ज़ हे उसे जल्द से जल्द ज़कात अदा करना चाहिए और ईद की नमाज़ से पहले सदका ए फितर अदा करना चाहिए जो घर के हर इंसान की तरफ से अदा किया जाता हे जामा मस्जिद मे अलविदा के जुमे की नमाज हाफ़िज़ मुईन उद्दीन ने पढ़ाई उसके बाद दुनिया मे अमन, शांति, भाईचारे की दुआ कराई जिस पर उपस्थित नमाजियों ने आमीन कहा ऑल इंडिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी के प्रदेश सचिव डॉक्टर वसीम ने बताया कि हर गरीब इंसान को भी ईद का त्यौहार मनाना हे गरीब भी अपनी ईद अच्छे से मना सके इंसान को अपनी जकात और सदका ईद से पहले निकाल देना चाहिए जिससे जिस गरीब तक आपकी जकात और सदका पहुंचे वो भी ईद की तैयारियां ईद से पहले कर ले ईद की खुशियों मे गरीबों का बहुत बड़ा हक़ होता हे

इन मस्जिदों मे अदा की गई

27 मस्जिदो , एवं तीन मदरसों मे नमाज हुई जामा मस्जिद, अरीठे वाली मस्जिद, कोर्ट वाली मस्जिद, मदरसा इस्लामिया मस्जिद, टोरी वाली मस्जिद, घेर वाली मस्जिद, मस्जिद नबी अकरम, सिविल कोर्ट वाली मस्जिद, नक्कास वाली मस्जिद कीड़ी, बड़ी मस्जिद, नाले वाली मस्जिद, फूल मस्जिद, कमन गिरान मस्जिद, नन्नी बी वाली मस्जिद, मदीना मस्जिद, कछवाड़े वाली मस्जिद, मेहंदिया मस्जिद, बड़ी मस्जिद नयापुरा, पुदीना वाली मस्जिद, रोहिल पूरा मस्जिद , ताज मस्जिद, मिर्दगान मस्जिद, दरिवालान मस्जिद,बिलाल मस्जिद, मुफ्ती साहब वाली मस्जिद, इकरा कालोनी वाली मस्जिद, मदरसा सईदिया, मदरसा रियाजुल इस्लाम, मदरसा उलूमूल क़ुरआन।

ज्ञान ज्योति स्कूल नैनपुर का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

नैनपुर। विकास समिति द्वारा संचालित ज्ञान ज्योति हायर सेकेण्डरी स्कूल नैनपुर का वार्षिक परीक्षा परिणाम समिति के अध्यक्ष श्री बेनीश्याम खण्डेलवाल, उपाध्यक्ष श्री सत्यनारायण खण्डेलवाल, सचिव श्री जीवन लाल साहू उपसचिव श्री डॉ. राजेन्द्र पाठक, कोषाध्यक्ष श्री बंशीधर अग्रवाल की उपस्थिति में घोषित किया गया।

जिसमें शाला के अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम में कक्षावार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पूर्व-प्राथमिक, प्राथमिक, माध्यमिक, हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्तर में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थीयों के अभिभावकों द्वारा सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया।

सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले पूर्व प्राथमिक स्तर से प्रथम कक्षा नर्सरी से छात्र लव्यांश चुनवाने पिता श्री मनीष चुनवाने ने 99.92त्न अंक, प्राथमिक स्तर से कक्षा दूसरी से जानवी हरदहा पिता श्री मुकेश हरदहा ने 98.3त्न अंक, माध्यमिक स्तर से कक्षा सातवीं से आलिया जैनब पिता मो. इमाम बक्स ने 97.38त्न अंक, हाईस्कूल स्तर से कक्षा नवमीं से अवनि राजपूत पिता यशवंत सिंह राजपूत ने 96.7त्न अंक, एवं हायर सेकेण्डरी स्तर से कक्षा ग्यारहवी अंशिका साहू पिता श्री दीनदयाल साहू ने 91.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शाला को गौरवान्वित किया। ज्ञात हो कि नैनपुर विकास समिति द्वारा प्रतिवर्ष कक्षा दसवीं और बारहवीं में मध्यप्रदेश की प्रवीण्य सूची में आने वाले छात्र-छात्राओं को 50 हजार रूपये एवं जिला प्रावीण्य सूची में 10 हजार रूपये की राशि तथा कक्षा पाँचवी और आठवी के प्रावीण्य सूची में आने वाले छात्र-छात्राओं को 5 हजार रूपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है।गणित के वरिष्ठ अध्यापक श्री एस. एन. अय्यर द्वारा माध्यमिक, हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्तर के गणित विषय में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को एवं उनके शिक्षकों को पुरुस्कृत किया गया। और मंच संचालन श्री एम. एम. जायसवाल एवं श्रीमति रेखा रजक द्वारा किया गया। समारोह के अंत में समिति के सभी सदस्यों, शाला प्राचार्या श्रीमति एल. आर. शील, उच्च उच्चतर विभाग प्रभारी श्री एस. एन. अय्यर माध्यमिक विभाग प्रभारी प्रवीण नायडू प्राथमिक प्रभारी श्रीमति अनिता यादव एवं पूर्व प्राथमिक प्रभारी रेखा रजक ने सभी शिक्षकों को और समस्त छात्र-छात्राओं को बधाई प्रेषित की तथा निरंतर प्रयासरत् रहने की प्रेरणा दी।

आईपी एल सट्टे पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

2 आरोपी पकड़ाए, लाखों का हिसाब और मोबाइल जब्त

छिंदवाड़ा। जिला पुलिस अधीक्षक अजय पाण्डेय व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता के निर्देशन एवं नगर पुलिस अधीक्षक अजय राणा के मार्गदर्शन में अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है,इसी क्रम में थाना प्रभारी कुंडीपुरा मनोज बघेल द्वारा मुखबिर सूचना पर आई .पी. एल. सट्टे पर कार्यवाही करते हुये दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर ऑनलाईन आईडी सहित 4 आई फोन मोबाईल 7,400 रुपये नगदी एवं लाखो रुपयो का हिसाब किताब जप्त कर आरोपियों पर प्रभावी कार्यवाही की गई।

दरअसल विगत दिवस मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि श्रीवास्तव कालोनी छिन्दवाड़ा का सौरभ अरोरा एवं ग्राम खापाभाट निवासी शिवम बड़खे उसके मोबाईल से क्रिकेट सट्टा की मास्टर आई डी से लोगो को सट्टा खिलाकर अवैध लाभ अर्जित कर रहे है जिसके मोबाइल में सट्टा का हिसाब किताब हैं,जो अभी दीनदयाल रसोई के पास गांधीरज में बैठकर हिसाब किताब देख रहे हैं,सूचना के बाद तत्काल कार्यवाही हेतु सउनि मनोज रघुवंशी के नेतृत्व में टीम गठित कर हमराह स्टाफ़ एवं गवाहों के साथ मुखबिर के बताये स्थान पर रेड कार्यवाही की गई जहां सौरभ अरोरा पिता अजय अरोरा उम्र 31 साल निवासी श्रीवास्तव कालोनी छिन्दवाड़ा हाथ में रखे सेमसंग कंपनी का ए-04 ग्रे रंग का 4जी मोबाइल एवं एक वीवो कंपनी का 5जी मोबाईल मिला व शिवम पिता घनश्यास बड़खे उम्र 25 साल निवासी वार्ड नं 10 खापाभाट के हाथ में रखे एक ओप्पो कंपनी का 5 जी मोबाईल हरे रंग का व एक एम आई कंपनी का 10 आई 5जी मोबाईल मिला जिसमे सट्टा खिलाने की आई डी प्लेट फार्म पर क्रिकेट सट्टा आई डी खुली थी जिसमे सट्टा का लेन देन का हिसाब, मोबाईल लिंक में सट्टे के भाव तथा फोन पे के माध्यम से हिसाब किताब दिखाई दे रहे थे। सौरभ अरोरा व शिवम बड़खे के मोबाईल में मिले सट्टे के हिसाब किताब के सम्बंध में पूछताछ पर उक्त क्रिकेट सट्टा की मास्टर आई डी एक अन्य व्यक्ति के द्वारा 10प्रतिशत कमीशन पर देना बताया, आरोपियों के कब्जे से पास से नगदी 7,400 रुपये एवं 04 नग आईफोन मोबाईल जिस पर लाखो का हिसाब किताब मिला हैं उन्हें जप्त किया जाकर आरोपियो के विरुध्द धारा 4 (क) म.प्र. पब्लिक गेबंलिग एक्ट एवं धारा 49 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबध्द कर प्रभावी कार्यवाही की गई हैं। आरोपियों को पकड़ने में निरीक्षक मनोज बघेल,सउनि मनोज रघुवंशी,सतोष बघेल, प्रआर प्रदीप बघेल,आर,करण रघुवंशी,जीवन रघुवंशी (सायबर सेल) आदित्य रघुवंशी,नितिन सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

कायाकल्प के द्वितीय चरण में बनने वाले सीसी रोडों का नपाध्यक्ष प्रतिनिधि ने किया निरीक्षण

आष्टा। नगरपालिका द्वारा नगर में अनवरत रूप से निर्माण और विकास कार्य जारी है, इसी के चलते नगर के वार्ड क्रमांक 15 सुभाष नगर के अतिरिक्त क्षैत्र में कायाकल्प अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत सीसी रोड़ का निर्माण कार्य जारी है। जिसका नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने वार्ड पार्षद तेजसिंह राठौर, रवि शर्मा के साथ नपा के तकनीकी अधिकारियों की उपस्थिति में निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने सीसी रोड़ निर्माण में उपयोग की जा रही निर्माण सामग्री का भी निरीक्षण कर संबंधित ठेकेदार को उच्च गुणवत्ता का कार्य करने एवं निर्माण सामग्री मानक स्तर की उपयोग करने हेतु निर्देशित किया। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि कायाकल्प अभियान के द्वितीय चरण में नगर के बढ़े हुए अतिरिक्त क्षैत्रों में विकास कार्य नगरपालिका द्वारा कराए जा रहे है जो निरंतर जारी रहेंगे। वर्तमान में नगर के सभी वार्डो में सीसी रोड़, नाली निर्माण, पाईप लाईन विस्तार जैसे विकास कार्य जारी है। निरीक्षण के दौरान नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा के साथ पार्षद तेजसिंह राठौर, रवि शर्मा, उपयंत्री अनिल धुर्वे, सुभाष सिसौदिया, दीपक मेवाड़ा, आदर्श सुराना, गबू प्रजापति, अफसर खां, आकाश मेवाड़ा सहित अन्य वार्डवासीगण मौजूद थे।

पुस्तक मेला गवाह है कि शिक्षा माफिया से मुक्त है जबलपुर

कौशल किशोर चतुर्वेदी

संस्कारधानी जबलपुर में 25 मार्च से 5 अप्रैल तक पुस्तक मेला लगा है। पुस्तक मेला में माता-पिता अपने बच्चों संग पुस्तकें खरीदने भारी संख्या में पहुंच रहे हैं। हाथ में पुस्तक-स्टेशनरी का बैग लिए माता-पिता के चेहरों पर खुशी तैरती नजर आ रही है। दरअसल बात भी यही है कि यह पुस्तक मेला जबलपुर के शिक्षा माफिया से मुक्ति की गवाही दे रहा है। यह मुक्ति जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना और उनकी टीम के अथक प्रयासों की सफलता से मिल पाई है। यह प्रयास सीएम डॉ. मोहन यादव के उस ट्वीट की परिणति थे, जिसमें निजी स्कूलों द्वारा तय पुस्तक विक्रेता से पुस्तकें खरीदने को मजबूर किया जा रहा था। सीएम ने इनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की इच्छा जताई थी और कलेक्टर दीपक सक्सेना ने सीएम की मंशा पर जो कार्यवाही की, वह पूरे प्रदेश और देश के लिए मिसाल बन गई। इसके साथ ही निजी स्कूलों की मनमानी पर अंकुश लग गया। और पिछले साल तक जो निजी स्कूल बच्चों को महंगी, फर्जी आईएसबीएन वाली किताबों का बोझ लादने को मजबूर करते थे, अब वे सस्ती और गुणवत्तायुक्त एनसीईआरटी की किताबें बच्चों को पढ़ाने की राह पर हैं। और इस पुस्तक मेला में जहां कॉपियों पर 50 प्रतिशत की छूट मिल रही है तो एनसीईआरटी की किताबें पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं। और यह विशेष व्यवस्था भी यहां पर है कि जो माता-पिता एनसीईआरटी की किताबें खरीदने में असमर्थ हैं, उन्हें पुरानी किताबों का सेट सस्ते दाम में मुहैया कराया जा रहा है। और जाते-जाते अभिभावक जिला प्रशासन की इस मुहिम की सराहना कर आनंद का अनुभव कर रहे हैं। किताबों के दामों में पिछले साल की तुलना में हजारों रुपए का अंतर इस बात का गवाह है कि निजी स्कूल और पुस्तक व गणवेश विक्रेताओं के नेक्सस ने किस कदर बच्चों के माता-पिता की कमर तोड़ रखी थी।

संजय कुमार और सुरभि सिन्हा निजी स्कूल में पढ़ रहे चौथी और पांचवी कक्षा के बच्चों की किताबें खरीदने पुस्तक मेला में आए थे। उनकी दोनों बच्चों की किताबें 990 रुपए में आ गईं। पिछली बार किताबों का बजट 8000 पर पहुंचा था। निजी स्कूल ज्यादा दाम और फर्जी आईएसबीएन वाली किताबें खरीदने को मजबूर करते थे, जो जिला प्रशासन की कार्यवाही के बाद एनसीईआरटी की किताबें पढ़ाने को मजबूर हो गए हैं। वह बताते हैं कि इससे बच्चों के बैग का बोझ 15 किलो से घटकर 5 किलो पर आ गया है। राहत मिली है बच्चों को और उनके माता-पिता को भी।

तो रेल्वे में कार्यरत अमरीश कुमार सिंह और उनकी पत्नी आकांक्षा सिंह ने बताया कि उनके बच्चे दूसरी और छठवीं कक्षा में पढ़ते हैं। पिछले साल पहली क्लास में बच्चे की किताबें 2500 रुपए में आईं थीं। इस बार 195 रुपए में आ गई हैं। जबलपुर के लगभग सभी निजी स्कूलों में एनसीईआरटी की किताबें लागू हो गई हैं। पिछले साल निजी स्कूलों पर कलेक्टर ने जो कार्यवाही की है, वह अच्छी पहल है। प्रदेश के दूसरे जिलों में भी निजी स्कूलों पर कार्यवाही हो, तो प्रदेश के सभी बच्चों और उनके माता-पिता को राहत मिल सकती है। जो मां-बाप महंगी किताबों को एफोर्ड नहीं कर पाते, वह भी निजी स्कूलों की जबर्दस्ती से मजबूर हो जाते हैं। जबलपुर में अब सबके लिए समान व्यवस्था हो गई है।

जबलपुर में कलेक्टर दीपक सक्सेना की पहल पर पिछली साल भी अप्रैल माह में पुस्तक मेला लगा था। पर तब तक अभिभावक किताबें खरीद चुके थे। और निजी स्कूलों की किताबों को लेकर मनमानी जारी थी। इस बार का पुस्तक मेला गवाह है कि जबलपुर शिक्षा माफिया और निजी स्कूलों की मनमानी से मुक्त हो गया है। अब पुस्तक मेला को सरकार के निर्देश पर प्रदेश के दूसरे जिलों में लगाया जा रहा है, पर अभी दूसरे जिले निजी स्कूलों की मनमानी सहन करने को मजबूर हैं। मुख्यमंत्री जी एक बार जबलपुर आकर अभिभावकों के चेहरों की खुशी को देखिएज्आप महसूस करेंगे कि जबलपुर का पुस्तक मेला सब जिलों में लगे पर साथ ही निजी स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाना भी जरूरी हैज्

"विक्रम सम्वत् 2082" भारतीय नववर्ष, सृष्टि आरंभ दिवस एवं गुड़ी पड़वा के पावन पर्व की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मंगुभाई पटेल, राज्यपाल

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

विक्रमोत्सव

26 फरवरी से 30 जून 2025

मुख्य अतिथि
मंगुभाई पटेल
राज्यपाल

अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

गरिमामयी उपस्थिति
डॉ. अर्जुनराम मेघवाल
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
विधि एवं न्याय, भारत सरकार

प्रदेश स्तर पर ब्रह्मध्वज स्थापना एवं सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रित नाट्य प्रस्तुति

वीर भारत संग्रहालय का भूमिपूजन
सायं 5:00 बजे, कोठी महल

रुद्र सागर, लाइट एंड साउंड शो का उद्घाटन
सायं 6:30 बजे, श्री महाकाल-महालोक परिसर

सम्राट विक्रमादित्य हेरिटेज होटल का लोकार्पण
सायं 6:00 बजे, महाराजवाड़ा परिसर

30 मार्च, 2025, उज्जैन

जन सहभागिता से जलस्रोतों को सहेजने के लिए

जल गंगा संवर्धन अभियान

शुभारंभ

30 मार्च से 30 जून, 2025
सायं 7:00 बजे, क्षिप्रा तट

'जल दूत' के रूप में सहभागिता के लिए
mybharat.gov.in पर पंजीयन करायें

D-11218/24

सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025